हाईकोर्ट का निर्देश

## गंदे पानी से सब्जी उगाने, नर्मदा में मिलने वाले नाले और संक्रमित पानी की आपूर्ति पर सभी पक्ष दें सुझाव

**जबलपुर।** मप्र हाईकोर्ट में गुरुवार को नाले के गंदे व विषैले पानी से सब्जी उगाने, नर्मदा में मिलने वाले नाले और संक्रमित पानी की आपूर्ति से जुड़ी तीन याचिकाओं पर सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने सभी पक्षों को उक्त समस्याओं के समाधान के लिए ठोस उपाय सुझाने के निर्देश दिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि इंदौर में व्यवस्थाएं कैसे दुरूस्त हुई हैं। वहां जनता भी प्रशासन को पूरा सहयोग करती है। कोर्ट ने कहा कि कोई एक्सपर्ट बॉडी को सामने आकर दूरगामी और ठोस सुझाव देना चाहिए। अगली सुनवाई 18 अप्रैल को होगी।

पिछली सुनवाई के दौरान मप्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल ने नालों के पानी की जांच रिपोर्ट पेश की थी, जिसमें चौंकाने वाला खुलासा हुआ था। रिपोर्ट में कहा गया था कि शहर के लगभग सभी नालों के पानी में भारी मात्रा में सीवेज मिलता है, जिस कारण वह 'अत्यंत दूषित' है। यह पानी पीने, निस्तार और सिंचाई के लिए पूर्णतः अनुपयोगी है। रिपोर्ट में कहा गया कि यदि नालों का यह पानी वॉटर पाइप लाइन में मिल गया तो गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा होंगी।

मामले पर सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता आदित्य संघी ने दलील दी कि ग्वारीघट में रोज सैकड़ों लोग तेल के दीये नर्मदा में सिराते हैं, जिससे पानी

दूषित होता है। शहर में 174 मेगालीटर प्रतिदिन वेस्ट वॉटर नालों में जाता है, जिसमें से नगर निगम द्वारा 13 सीवेज प्लांट्स के जरिए केवल 58 मेगालीटर प्रतिदिन पानी का ट्रीटमेंट किया जाता है। यह पानी नर्मदा तथा हिरन नदी में मिलाया जाता है।

डेमोक्रेटिक लॉयर फोरम की ओर से रविंद्र गुप्ता द्वारा शीघ्र ही सही साफ और साफ और बिना संक्रमित पानी पीने लायक घरों में सप्लाई करने हेतु नगर निगम सक्षम नहीं है इसलिए संपूर्ण मामले की पर सही कार्रवाई हेतु एक मॉनिटरिंग कमेटी बनाने की मांग की है। जिसमें उनके द्वारा कहा गया है कि हाई कोर्ट जज रिटायर्ड की चेयरमैनशिप के अंदर में जबलपुर मेयर जबलपुर कमिश्नर जबलपुर कलेक्टर एचपी डिपार्टमेंट के हेड किसी सीनियर सिटीजन सोशल वर्कर और किसी सीनियर एडवोकेट ऐसे साथ लोगों की मॉनिटरिंग कमेटी बनाई जाए।

### कानफोड़ू शोर की समस्या के हल के लिए नागरिकों को जागरूक होना आवश्यक

**जबलपुर।** मप्र हाईकोर्ट में कोलाहल अधिनियम का उल्लंघन कर बहुत तेज आवाज में डीजे बजाने को चुनौती देने के मामले में गुरूवार को सुनवाई हुई। सरकार की ओर से जवाब पेश कर बताया गया कि कान फोड़ू डीजे की तेज आवाज जन समस्या बन गयी है। कोलाहल एक्ट के तहत निर्धारित से अधिक आवाज में डीजे बजने पर जुर्माने की कार्यवाही करती है। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की युगलपीठ ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि इस समस्या के हल के लिए नागरिकों को जागरूक होना आवश्यक है। अगली सुनवाई 23 जून को होगी।जबलपुर निवासी नाना देशमुख वेटनरी यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति गोविंद प्रसाद मिश्रा, सेवानिवृत्त आईएफएस अधिकारी आरपी श्रीवास्तव सहित अन्य की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आदित्य संघी ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि शादियों व धार्मिक आयोजन के दौरान बहुत तेज आवाज में डीजे बजाये जाते है। मानव शरीर 75 डेसिबल आवाज की तीव्रता सहन कर सकता है। इसके अधिक आवाज ध्वनि प्रदूषण की श्रेणी में आते है। डीजे की तीव्रता 100 डेसिबल से अधिक होती है। डीजे की तेज आवाज के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पडता है। तेज आवाज के कारण लोगों को हार्ट अटैक आते है,जो उनकी मौत का कारण बनता है। इसके अलावा लोगों उनका ब्लड प्रेशर बढ जाता है। तेज आवाज के कारण लोग बहरे हो रहे है। उन्होंने कहा कि केवल जुर्माने की कार्यवाही से इस समस्या पर अंकुश नहीं लगाया जा सकता है

**हाईकोर्ट की टिप्पणी**

## धर्म की स्थापना करने अवतरित होते हैं भगवान : नृसिंह देवाचार्य

**सिहोरा।** भागवत कथा के श्रवण से भगवान की निर्मल भक्ति की प्राप्ति होती है शक्ति और सामर्थ का उपयोग समाज सेवा के लिए करने से व्यक्ति को यश कीर्ति प्राप्त होने के साथ उसकी आयु बढ़ती है। भगवान हमेशा जीव का उद्धार करने के लिए जन्म लेते हैं उक्ताशय के उदगार गीता धाम जबलपुर के महंत परम पूज्य स्वामी नृसिंह देवाचार्य जी ने हरि हर धाम प्रज्ञा बिहार कालोनी में जनपद पंचायत अध्यक्ष रश्मि मनेन्द्र अग्निहोत्री, देववती अग्निहोत्री के संयोजन में चल रही सप्त दिवसीय भागवत कथा में मत्सय चरित्र,अजामिल उपाख्यान,नृसिंह अवतार,वामन अवतार,श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर व्यासपीठ से व्यक्त किए। आगे कहा जब व्यक्ति के जीवन में धर्म का छय होता है तथा कलयुग के कारण जो व्यक्ति को कष्ट मिलता है तो उससे मुक्ति दिलाने एंव धर्म की स्थापना करने भगवान जन्म लेते हैं आगे कहा भगवान के जन्म को लोग भूल जाते हैं तो व्यक्ति को बोध कराने भगवान जन्म लेते है। जब कंश को आकाशवाणी से पता चला की देवकी की आठवीं संतान उसकी मृत्यु का कारण बनेगी तो वसुदेव देवकी के छ पुत्रों की कशं ने हत्या कर दी। देवकी के आठवें पुत्र के रुप में जब भगवान कृष्ण ने आधी रात को अवतार लिया तो कारागार के ताले अपने आप खुल गए और वासुदेव कृष्ण को टोकरी में रखकर गोकुल में छोड़ आए और वहां से माया रूपी बालिका को अपने साथ ले आए इधर जब कंश बच्चे के रोने की आवाज सुना तो कारागार की तरफ दौड़ पड़ा उनके हाथों से छीनकर जैसे ही उसने माया को जमीन पर पटकने का प्रयास किया तो वह उसके हाथ से छूटकर आकाश में चली गई ।

**श्रीकृष्ण के जन्म लेते ही झूम उठा कथा पंडाल**

राष्ट्रपति के नाम थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन

## राष्ट्रीय अध्यक्ष पर टिप्पणी से भड़के कांग्रेसी असम के मुख्यमंत्री का फूंका पुतला

**सिहोरा**-असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्व सरमा द्वारा विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर की गई कथित अपमानजनक अमर्यादित टिप्पणी से कांग्रेस पार्टी नेताओं कार्यकर्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा भड़के कांग्रेस जनों ने पुराना बस स्टैंड में जहां असम के मुख्यमंत्री का पुतला फूंका वही पुलिस थाने पहुंचकर असम के मुख्यमंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर सिहोरा थाना प्रभारी प्रतीक्षा मार्को को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में असम के मुख्यमंत्री को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर असम में निष्पक्ष चुनाव की मांग की। यह आयोजन राज्यसभा सदस्य विवेक कृष्ण तंखा,विधायक लखन घनघोरिया,महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष रीना बरसिया के मार्गदर्शन जिला कांग्रेस कमेटी

जबलपुर ग्रामीण उपाध्यक्ष एवं मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी पूर्व प्रदेश सचिव मंजू मिश्रा की अगुवाई राज्यसभा सदस्य प्रतिनिधि बाबा कुरैशी,प्रदेश सचिव राजेश चौबे,महासचिव अमोल चौरसिया नगर कांग्रेस अध्यक्ष पवन सोनी के संयोजन में हुए विरोध प्रदर्शन में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष बिहारी पटेल,वरिष्ठ सुबोध पांडे,सुरेंद्र मिश्रा,प्रकाश कुररिया,आलोक पांडे,मनीष खम्परिया,मनीष शुक्ला,घनश्याम बडगैया,शमशेर खान,ओम नारायण श्रीवास्तव,ममता गोटिया,रमेश पटेल, माधुरी गणेश दहिया,डॉक्टर आरके यादव,शेख साबिर,फैज आलम शाह,डब्बू पाठक एम मंसूर,राम लोचन कोल,शंकर वंशकार,राजभान चौधरी,संगीता पांडे,रीना चौधरी सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

## गैस संकटः रसोई मौन जिम्मेदार कौन

### एनएसयूआई के अर्थी जुलूस पर चला वाटर कैनन

**जबलपुर।** गुरुवार को घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों को लेकर विरोध तेज हो गया। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की छात्र इकाई भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के बैनर तले बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने जन आक्रोश अर्थी जुलूस निकालकर रानीताल चौक पर धरना-प्रदर्शन किया। एनएसयूआई नेताओं ने आरोप लगाया कि गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों से आम जनता, विशेषकर मध्यमवर्ग और गरीब परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। इसी मुद्दे को लेकर कार्यकर्ता रानी ताल से अर्थी जुलूस लेकर भाजपा कार्यालय की ओर बढ़ रहे थे तभी पुलिस ने बैरीकेडिंग कर वाटर कैनन (पानी की बौछारें) चलाई ।

जुलूस जैसे ही आगे बढ़ा, पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था के तहत बैरिकेड लगाकर कार्यकर्ताओं

को रोक लिया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की की स्थिति भी बनी। हालात को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया, जिससे कुछ देर के लिए मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।एनएसयूआई की राष्ट्रीय सचिव देवकी पटेल का कहना है कि वे शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने जा रहे थे, लेकिन उन्हें भाजपा कार्यालय तक पहुंचने से रोक दिया गया। उनका आरोप है कि महंगाई के खिलाफ आवाज उठाने पर प्रशासन दमनात्मक रवैया अपना रहा है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए। बिना अनुमति संवेदनशील क्षेत्र की ओर बढ़ने पर भीड़ को रोकना जरूरी था, इसलिए बैरिकेडिंग और पानी की बौछार का सहारा लिया गया।

घटना के बाद कुछ समय तक क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति बनी रही, हालांकि बाद में हालात सामान्य हो गए। पुलिस बल की तैनाती बढ़ा दी गई है और प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

## न्यायालय परिसर में पोस्टर चिपकाने की सीजे से शिकायत

**जबलपुर।** मप्र हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष डीजे जैन ने मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा को पत्र लिखकर राज्य अधिवक्ता परिषद के चुनाव में भाग लेने वाले प्रत्याशियों द्वारा पूरे न्यायालय परिसर में पोस्टर चिपकाने की शिकायत की है। कहा है कि चुनाव प्रचार सामग्री न्यायालय भवनों की दीवार पर चिपकाना पूरी तरह अनुचित है। इससे परिसर में गंदगी हो रही है। यह आपत्ति भी जताई गई कि कुछ प्रत्याशी नामांकन दाखिल करने के दौरान न्यायालय परिसर में नारेबाजी भी कर रहे हैं। इस संबंध में चुनाव समिति के समक्ष शिकायत की गई थी। मांग की गई कि इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जाए।

### बार काउंसिल चुनाव में दूसरे दिन 46 उम्मीदवारों ने भरा नामांकन

स्टेट बार काउंसिल ऑफ मध्यप्रदेश के चुनाव के लिए गुरूवार को नामांकन प्रक्रिया के दूसरे दिन कुल 46 उम्मीदवारों ने नामांकन पर्चा दाखिल किया। दो दिनों में कुल 94 उम्मीदवरों ने नामांकन भरा है। जबलपुर से हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष डीके जैन, जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष मनीष मिश्रा, डॉ प्रशांत मिश्रा, ज्योति राय, अमन शर्मा, नवीन शुक्ला व अन्य ने अपनी दावेदारी पेश की है। शुक्रवार को नामांकन का अंतिम दिन है। नाम वापसी होने के बाद सभी नामांकन प्रपत्रों की जांच की जाएगी। स्क्रूटनी के बाद उम्मीदवारों की अंतिम सूची प्रकाशित की जाएगी। मतदान 12 मई को होना है।

## वंदे मातरम मातृभूमि के प्रति कृतज्ञता का माध्यम

### विवाद पर विजयवर्गीय का तीखा बयान

**जबलपुर।** मप्र सरकार के नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने अपने जबलपुर प्रवास के दौरान इंदौर में 'वंदे मातरम' गायन को लेकर हुए हालिया विवाद पर खुलकर प्रतिक्रिया दी। पत्रकारों से अनौपचारिक चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्र के प्रति सम्मान प्रकट करना प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है और इस विषय पर किसी प्रकार का भ्रम या विवाद उचित नहीं है। मंत्री ने कहा कि कुछ लोग देश के संसाधनों का लाभ तो लेते हैं, लेकिन जब राष्ट्र के प्रति निष्ठा दिखाने का अवसर आता है तो पीछे हट जाते हैं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जिस भूमि पर हम जन्म लेते हैं, पलते-बढ़ते हैं और पहचान बनाते हैं, उसे माता के रूप में सम्मान देना हमारी संस्कृति और परंपरा का हिस्सा है। यहां जबलपुर क्लब के शताब्दी वर्ष में शामिल होने आए विजयवर्गीय कुछ पत्रकारों से अनौपचारिक चर्चा कर रहे थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि 'वंदे मातरम' केवल एक गीत नहीं, बल्कि मातृभूमि के प्रति कृतज्ञता और श्रद्धा व्यक्त करने का माध्यम है। इस पर अनावश्यक

विवाद खड़ा करना दुर्भाग्यपूर्ण है। विजयवर्गीय ने उम्मीद जताई कि समाज में सकारात्मक सोच विकसित होगी और लोग राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखेंगे।

#### बंगाल में आएगी सरकार

इस दौरान पत्रकारों द्वारा पश्चिम बंगाल के आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर पूछे गए प्रश्न पर कैलाश विजयवर्गीय ने आत्मविश्वास से कहा, बंगाल में इस बार हम पूर्ण बहुमत के साथ अपनी सरकार बनाने जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि राज्य में पार्टी की स्थिति मजबूत है और जनता का व्यापक समर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर सक्रिय हैं और जनता परिवर्तन चाहती है। विजयवर्गीय ने भरोसा जताया कि चुनाव परिणाम पार्टी के पक्ष में आएंगे। इस अवसर पर महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, पार्षद कमलेश अग्रवाल मौजूद रहे।

## केंद्रीय जेल के बंदियों ने सुदर्शन क्रिया से सीखी तनाव मुक्ति की बारीकियां

**जबलपुर।** केन्द्रीय जेल जबलपुर में बंदियों के मानसिक और शारीरिक उत्थान के उद्देश्य से 'आर्ट ऑफ लिविंग' संस्था के सहयोग से चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का गुरुवार को समापन हुआ। जेल अधीक्षक अखिलेश तोमर के मार्गदर्शन में 06 अप्रैल से 09 अप्रैल तक चले इस प्रशिक्षण में प्रशिक्षकों ने बंदियों को तनाव, क्रोध और अवसाद से मुक्त होकर एक सकारात्मक जीवन जीने के व्यावहारिक गुर सिखाए गये। प्रशिक्षण में बंदियों को जीवन के सात स्तरों-शरीर, श्वास, मन, बुद्धि, चित्त, अहंकार और आत्मा के प्रति सजग रहने का महत्व बताया गया तथा सुदर्शन क्रिया, प्राणायाम और सूर्य नमस्कार का अभ्यास कराया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य बंदियों के भीतर आत्म-सम्मान और आत्म-संतुष्टि की भावना जागृत करना था, ताकि वे कारागार से बाहर निकलने के बाद समाज की मुख्यधारा में एक बेहतर इंसान के रूप में जुड़ सकें। प्रशिक्षकों ने ओरा ध्यान और ज्ञानवार्ता के माध्यम से बताया कि कैसे मन की एकाग्रता बढ़ाकर मानसिक प्रसन्नता और वैचारिक स्पष्टता प्राप्त की जा सकती है। शिविर के समापन पर रेखांकित किया गया कि नियमित योगाभ्यास और ध्यान न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को उन्नत बनाता है, बल्कि कठिन परिस्थितियों में भी मन को शांत रखने की शक्ति प्रदान करता है।

नामचीन स्कूल बसों की जांच में मिली कई खामियां

## ब्रांड नाम से सुरक्षा की गारंटी नहीं

जबलपुर।

शहर के प्रतिष्ठित और नामचीन स्कूलों की बसें भी अब परिवहन विभाग की सख्त जांच के दायरे में आ गई हैं। गुरुवार सुबह आरटीओ रिंकू शर्मा और संभागीय परिवहन उड़नदस्ता प्रभारी राजेन्द्र साहू की मौजूदगी में लगभग 40 स्कूल बसों की सघन जांच की गई। जांच में कई चौंकाने वाली खामियां सामने आईं, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि केवल ब्रांड नाम से सुरक्षा की गारंटी नहीं मिलती।

जानकारी के अनुसार, सुबह 7 बजे से ही परिवहन विभाग का अमला सक्रिय हो गया था। आरटीओ की मौजूदगी में जिन स्कूलों की बसों की जांच की गई, उनमें एमएम इंटरनेशनल स्कूल, लिटिल वर्ल्ड स्कूल, ज्ञानगंगा कॉलेज, ब्रिटिश फोर्ट स्कूल तथा गढ़ा संजीवनी नगर स्थित रायल स्कूल शामिल रहे। इन सभी संस्थानों की बसों को बारी-बारी से रोककर तकनीकी और सुरक्षा मानकों की जांच की गई।

चेकिंग के दौरान कई बसों में आवश्यक सुरक्षा उपकरणों

की कमी पाई गई। कुछ बसों में प्राथमिक उपचार (मेडिकल) किट नहीं थी, तो कुछ में खिड़कियों पर सुरक्षा ग्रिल नदारद मिली। कई बसों में फायर सेफ्टी सिस्टम सक्रिय नहीं पाया गया।सबसे गंभीर मामला तब सामने आया जब कुछ स्कूल बसों के इमरजेंसी गेट को बंद कर वहां अतिरिक्त सीटें फिट कर दी गई थीं। यह सीधा-सीधा सुरक्षा नियमों का उल्लंघन है। ऐसे मामलों में बसों को तत्काल खड़ा करवाकर अतिरिक्त सीट हटवाई गई और इमरजेंसी गेट खुलवाया गया।

#### आरटीओ ने दी हिदायत

आरटीओ रिंकू शर्मा ने बताया कि जिन बसों में सामान्य खामियां थीं, उन्हें हिदायत देकर छोड़ा गया है, लेकिन इमरजेंसी गेट पर सीट लगाए जाने जैसे गंभीर मामलों में मौके पर ही सुधार करवाया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि बच्चों की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

#### अभिभावकों में चिंता का माहौल

नामचीन और महंगे स्कूलों की बसों में खामियां मिलने से अभिभावकों में चिंता का माहौल है। पालकों का कहना है कि जब वे भारी फीस अदा करते हैं, तो बदले में बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए।

WE ARE HIRING
Job Opening
CIRCULATION ASSISTANT MANAGER
Position : Circulation Assistant Manager - 2 Post
Location : Raipur City
We are looking for a dynamic, Target Oriented and motivated Circulation Assistant to Join our team.
Qualifications :
- MBA (Marketing) from a recognized institution
- 3-5 Years of relevant experience in circulation Department
- Age 25 to 30 Years
Responsibilities :
- Manage circulation and distribution of publications
- Handle customer queries
- Maintain accurate circulation records
How to Apply
Interested candidates may send their resume to Email : inhnewshr@gmail.com
Last Date to Apply : 10 April 2026
हरिभूमि inh Opp. Pujari Park, Dhamtari Road, Tikrapara, Raipur

## खबर संक्षेप

### श्री परशुराम मुख्य शोभायात्रा में सहभागिता सुनिश्चित करने विप्र समाज की बैठक आज

जबलपुर। सुहागी एवं महाराजपुर, आधारताल क्षेत्र के समस्त विप्र समाज को सूचित किया जाता है कि ब्राह्मण एकता मंच के बैनर तले, भगवान श्री परशुराम की ऐतिहासिक मुख्य शोभायात्रा में भव्य सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक प्राचीन शिव मंदिर के पास (एल.पी. डील मॉल के पीछे) मेन रोड सुहागी में 10 अप्रैल को सायं 7:30 बजे से आयोजित की जा रही है। पं. प्रहलाद गर्ग, पं. परशुराम दुबे, पं. बसंत बिलौहा, पं. महेंद्र दीक्षित, डॉ. विजयकांत तिवारी, पं. अशोक उपाध्याय, पं. शिवाकांत त्रिपाठी, पं. राजा भैया गर्ग, पं. महेश पुरोहित, पं. शैलेंद्र जोशी सहित अन्य ने ब्राह्मण समाज के समस्त समाजसेवियों से निवेदन किया है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर समाज की गरिमा और परंपरा को आगे बढ़ाएं व इस पावन आयोजन को सफल बनाएं।

### श्री परशुराम की भव्य शोभायात्रा 18 को

जबलपुर। सम्माननीय ब्राह्मण एकता मंच के सभासद ब्राह्मण एकता मंच के द्वारा भगवान परशुराम जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर निकाली जाने वाली शोभायात्रा 18 अप्रैल 2026 दिन शनिवार को संध्या 4:00 बजे से मालवीय चौक से आरंभ होकर शहर के मुख्य मार्गों का भ्रमण करते हुए कोतवाली थाने के सामने संपन्न होगी आपकी उपस्थिति आवश्यक एवं प्रार्थनीय है।

### एडवोकेट रिज़वान अली कोटी बने कांग्रेस के प्रवक्ता

जबलपुर। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी भोपाल द्वारा जारी जबलपुर कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी में एडवोकेट रिजवान अली कोटी को जिला प्रवक्ता नियुक्त किया गया है। संगठन ने रिज़वान की कार्यक्षमता, ऊर्जा तथा



उनके द्वारा किए गए पूर्ववर्ती जनहित के कार्यों का कांग्रेस को लाभ मिलने की आशा व्यक्त की है। ज्ञात हो कि रिज़वान ने एनएसयूआई एवं युवा कांग्रेस के कई महत्वपूर्ण पदों में रहते हुए शहर एवं छात्रहित में ढेरों आंदोलन किए जिसमें से जबलपुर में मेडिकल यूनिवर्सिटी की स्थापना भी उनकी छात्र राजनीति की एक बड़ी उपलब्धियों में से है।

## रामकृपा जीवन का महा अमृतांजन : जगद्गुरु रामभद्राचार्य

# रामकथा में मिल रहे जीवन जीने के सूत्र

जबलपुर। तुलसी पीठाधीश्वर, पद्मविभूषण, रामानंदाचार्य जगद्गुरु श्रीरामभद्राचार्य जी महाराज की गौरीघाट आयुर्वेद कॉलेज मैदान में चल रही श्रीरामकथा में श्रद्धालुओं को जीवन जीने के महत्वपूर्ण सूत्र मिल रहे हैं। समरसता सेवा संगठन द्वारा आयोजित इस कथा में महाराजश्री रामचरितमानस के प्रसंगों को वर्तमान जीवन से जोड़ते हुए उनकी सरस व्याख्या कर रहे हैं।

अहिल्या प्रसंग का वर्णन करते हुए महाराजश्री ने कहा कि अहिल्या के जीवन में मोह, अंधकार और दुर्भाग्य तीनों थे, जो प्रभु की कृपा से ही समाप्त हुए। उन्होंने कहा कि मनुष्य के जीवन में भी कई बार ऐसी स्थिति आती है, जब भीतर का अंधकार दूर करने के लिए प्रभु की कृपा आवश्यक होती है। रामजी की चरणधूलि जीवन के लिए अमृत के समान है, जो मनुष्य के जीवन को पावन बनाती है।

'राम जनम जग मंगल हेतु' चौपाई की व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम का जन्म पूरे जगत के कल्याण के लिए हुआ है, इसलिए उनके स्मरण और कृपा से हर व्यक्ति का मंगल संभव है। उन्होंने बताया कि श्रीराम ने अपने जीवन से यह सिखाया कि पिता से कैसा व्यवहार करें, भाई के साथ संबंध कैसे निभाएं, गुरु का सम्मान कैसे करें और धर्म की रक्षा कैसे करें। महाराजश्री ने कहा कि ज्ञान और वैराग्य मनुष्य के दो नेत्र हैं। जब प्रभु की कृपा होती है तभी ये नेत्र खुलते हैं और जीवन में भय तथा अज्ञान दूर होता है।

### विश्वामित्र ने अयोध्या आकर किया प्रायश्चित

रामचरितमानस के प्रसंगों को समझाते हुए उन्होंने बताया कि विश्वामित्रजी अयोध्या दो बार आए थे। एक बार राजा हरिश्चंद्र के समय और दूसरी बार भगवान राम के समय। हरिश्चंद्र के समय उन्होंने उनकी पत्नी को उनसे अलग किया था, जिसका प्रायश्चित उन्होंने राम के समय किया। उन्होंने दशरथ से कहा कि पहले मैं परीक्षा लेने आया था, अब परीक्षा देने आया हूं। उस समय राज्य लेने आया था, अब राम को लेने आया हूं।

### गुरु का भी प्रभु ने किया मंगल

महाराजश्री ने कहा कि भगवान श्रीराम ने अपने गुरु वशिष्ठजी का भी मंगल किया। वशिष्ठजी स्वयं कहते हैं कि श्रीराम ने अपने गुण, विनय और मधुर व्यवहार से मेरे मन को जीत लिया। वशिष्ठजी का मंगल देखकर ही विश्वामित्रजी को भी विश्वास हुआ कि प्रभु उनका भी कल्याण करेंगे।

### समाज के लिए जीना ही सार्थक

कथा से पूर्व तुलसी पीठ चित्रकूट के युवराज आचार्य रामचंद्रदास जी ने कहा कि जो व्यक्ति समाज और संस्कृति के लिए जीता है, वही जीवन वास्तव में सार्थक होता है। उन्होंने सभी से भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा के संरक्षण में योगदान देने का आह्वान किया।

कथा के दौरान गुरुकुलम निर्माण के लिए विधायक अशोक रोहाणी ने 11 लाख, किशोरी सिंह लोधी ने 2 लाख, अशोक अग्रवाल गढ़ाफाटक ने 1 लाख, संदीप जायसवाल ने 1 लाख तथा एक लाख रुपए गुप्तदान के रूप में समर्पित किए।

### पादुका पूजन कर लिया आशीर्वाद

कथा से पूर्व रामानंद पीठ की चरण पादुकाओं का पूजन सांसद सुमित्रा वाल्मिक, सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल एम.के. दास, डॉ. राजेश धीरवानी, कैलाशचंद्र जैन, किशोर सिंह लोधी, अजय गुप्ता और अनूप खंडेलवाल ने किया। पूजन का विधान तुलसी पीठ के आचार्य युवराज रामचंद्रदासजी ने कराया।

### राम-जानकी विवाह उत्सव पर झूमे श्रद्धालु

आज की कथा में भगवान श्रीराम और माता जानकी के विवाह प्रसंग का वाचन हुआ। विवाह उत्सव के अवसर पर मंच पर विशेष आयोजन किया गया, जिसे सुनकर और देखकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे।

### व्यासपीठ से महाराजश्री के जीवन सूत्र

धार्मिक व्यक्ति को ही विद्या प्राप्त हो सकती है।
संतों में मतभेद हो सकते हैं, लेकिन राष्ट्रहित में सभी को एक होना चाहिए।
राष्ट्र की चिंता वही करता है जो परिवार से ऊपर उठकर सोचता है।
सच्चा संत वही है जिसके पास जाकर समस्याओं का अंत हो जाए। माता-पिता और गुरु को प्रणाम करने से यश, बल और आयु में वृद्धि होती है।
**वैराग्य के बिना भक्ति प्राप्त नहीं होती।**
**प्रभु श्रीराम पवन भी हैं और पावन भी है।**

## ईडब्ल्यूएस इंग्लिश मीडियम स्कूल के वार्षिक उत्सव में हुआ मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान



जबलपुर। ईडब्ल्यूएस इंग्लिश मीडियम स्कूल में वार्षिक उत्सव कार्यक्रम उत्साह और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रत्येक कक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को उनके अभिभावकों के साथ मंच पर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि अजय तिवारी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि परिश्रम और अनुशासन सफलता की कुंजी है। उन्होंने पुरस्कृत छात्रों को बधाई दी और अन्य विद्यार्थियों को भी अधिक मेहनत कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में सुहेल फैजल खान ने विद्यार्थियों को नगद प्रोत्साहन राशि प्रदान की, जबकि अनुरोध पटेरिया ने उपहार भेंट किए। नीलोफर फरजान एवं समिति अध्यक्ष आफीक कादरी ने प्रमाणपत्र देकर विद्यार्थियों का सम्मान किया।

कार्यक्रम में उपाध्यक्ष हारून मंसूरी, सचिव मकबूल अंसारी, कोषाध्यक्ष अशफाक अहमद, हाजी फकीर मोहम्मद, एडवोकेट अनवारूल हक, एडवोकेट महमूद अंसारी, अहमर जलील, समीर अंसारी, शाबिर अंसारी, इंजीनियर अमीरुद्दीन लालू, प्राचार्य नसरीन फातमा, रिजवाना बेगम, आयशा कुलसुल सहित बड़ी संख्या में अभिभावक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। अंत में विद्यालय प्रबंधन ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

## मेगा मल्टीस्पेशियलिटी हेल्थ कैम्प सफलतापूर्वक संपन्न

जबलपुर। अनंत मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल द्वारा आयोजित "मेगा मल्टीस्पेशियलिटी हेल्थ कैम्प" सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जिसमें लगभग 380 लोगों ने निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श प्राप्त किया। शिविर में हॉस्पिटल के डायरेक्टर एवं न्यूरोसर्जन डॉ. बी.के. पांसे, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. माणिक पांसे, जनरल सर्जन डॉ. वी.के. तनेजा, ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. आर. ई. पाठक, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. बृजेश चौधरी, शिशु नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. अबोली पांसे, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. नचिकेत पांसे, छाती रोग विशेषज्ञ डॉ. पारिजात पांसे, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. शैलेंद्र बागरी, रेडियोलॉजिस्ट डॉ. भाविक चोपड़ा, लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. दीपांशु साहू, फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. गरिमा शर्मा एवं डाइटिशियन सरिता गुप्ता ने मरीजों की जांच कर आवश्यक परामर्श दिया। इस दौरान ब्लड प्रेशर, शुगर टेस्ट, ईसीजी एवं एक्स-रे जैसी जांचें निःशुल्क की गईं, जबकि अन्य जांचों एवं दवाइयों पर 20% की छूट प्रदान की गई। आयोजकों के अनुसार शिविर का उद्देश्य आमजन को सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. मुकुल नेमा, सीनियर प्रबंधक धर्मेंद्र बैन, एचआर निधि शुक्ला, मार्केटिंग प्रबंधक आशीष दुबे, मीडिया प्रबंधक मो. एहसान मंसूरी, जनसंपर्क अधिकारी देवरथ मुखर्जी, गुणवत्ता प्रबंधक मीनाक्षी मालव, रिसेप्शन प्रबंधक प्रज्ञा रहंगडाले सहित प्रबंधन टीम एवं स्टाफ उपस्थित रहे। आयोजकों ने सभी सहयोगियों एवं मरीजों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजन जारी रखने का संकल्प लिया।

## 10 हजार श्रद्धालुओं ने नवकार मंत्र जाप कर दिया विश्व शांति का संदेश

जबलपुर। संस्कारधानी जबलपुर में 'विश्व नवकार मंत्र दिवस' के अवसर पर भव्य आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 10,000 श्रद्धालुओं ने एक साथ नवकार मंत्र का जाप कर विश्व शांति, अहिंसा और एकता का संदेश दिया। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीटो) जबलपुर चैप्टर के तत्वावधान में मालवीय चौक स्थित डी.एन. जैन ग्राउंड पर यह कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में सांसद आशीष दुबे, महापौर जगत बहादुर सिंह, विधायक अभिलाष पांडे, भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, पूर्व विधायक विनय सक्सेना, कांग्रेस सचेतक अयोध्या बंटी तिवारी, प्रतिपक्ष नेता अमरीश मिश्रा, पार्षद अतुल दानी तथा सिख संगत प्रमुख हरेंद्र सिंह बब्बू सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। साथ ही दिगंबर जैन पंचायत सभा के अध्यक्ष कैलाश जैन एवं श्वेतांबर जैन सभा के अध्यक्ष ज्ञान गोलछा की उपस्थिति भी रही। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। नवकार मंत्र की संगीतमय प्रस्तुति प्रशांत जैन रानू, सिद्धांत जैन, तेरापंथ महिला मंडल सदर एवं प्रशंसा जैन द्वारा दी गई, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। विशेष बात यह रही कि देश-विदेश के 108 जीटो चैप्टर के लगभग 6000 स्थानों पर एक साथ नवकार मंत्र का जाप किया गया। इस आयोजन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की वर्चुअल उपस्थिति ने इसे राष्ट्रीय स्तर पर विशेष महत्व प्रदान किया। इस सफल आयोजन के साथ जबलपुर ने पुनः वैश्विक स्तर पर शांति और आध्यात्मिकता का संदेश दिया।

## लोक गंधर्व संगीत सम्मान से सौम्या मिश्र होंगी सम्मानित

जबलपुर। शिक्षाविद साहित्यकार अजय शर्मा गूंज अंतर्राष्ट्रीय कला मंच द्वारा स्थापित लोकगंधर्व पं. रुद्रदत्त दुबे जीवंत सम्मान इस वर्ष लोकसंगीत जगत की चर्चित गायिका सौम्या त्रिपाठी मिश्र को प्रदान किया जाएगा। सम्मान समिति के संरक्षक डॉ. बैजनाथ गौतम की अध्यक्षता एवं गूंज मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष तिवारी के आतिथ्य में यह निर्णय अलंकरण कार्यसमिति में लिया गया। 20 अप्रेल को आयोजित समारोह में लोकसंगीत चितेरे डॉ. बैजनाथ गौतम एवं संगीत विदुषी डॉ. शिप्रा सुल्लेरे द्वारा प्रस्तुत आह्वान गीत के बाद सम्मानित विदुषी सौम्या मिश्र बुंदेलखंड में प्रचलित विभिन्न विधाओं के लोकगीतों का गायन करेंगी।

## दादा वीरेंद्रपुरी के जन्मोत्सव पर नेत्र शिविर 13 अप्रैल को

जबलपुर। परम पूज्य दादा वीरेंद्रपुरी महाराज के 100वें जन्मोत्सव के अवसर पर पूज्य बाबा विश्वनाथपुरी के पावन संरक्षण में निःशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन बजरंग मठ सूपाताल में 13 अप्रैल को सुबह 09 से 01 बजे तक किया जा रहा है और पादुका पूजन एवं भजन संध्या का कार्यक्रम शाम 06 से 09 बजे तक होगा। शिविर के संयोजक बाबूशंकर सोनकर ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति मरीजों का पंजीयन, नेत्र परीक्षण कर चयनित मरीजों को निःशुल्क ऑपरेशन के लिए तिलवारा घाट स्थित देवजी नेत्रालय ले जाया जायेगा। डॉ. पवन स्थापक ने बताया कि मरीजों का ऑपरेशन अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से होगा, मोतियाबिंद के ऑपरेशन में निःशुल्क लेंस प्रत्यारोपण होगा। दवाइयाँ, भोजन, चश्मा एवं आवागमन की व्यवस्था निःशुल्क रहेगी। दादा वीरेंद्रपुरी महाराज शिष्य मंडल के भोलाराम खत्री, अरुण शर्मा, नीरज बरसैयाँ, अरुण त्रिपाठी, हेमराज अग्रवाल, राजेश सोनकर, बलदेव आनंद, महेश श्रीवास्तव, बबलू सोनकर ने समाज के सभी वर्गों से बड़ी से बड़ी संख्या में उपस्थित होने की अपील की है।

## भगवान परशुराम जयंती पर होने वाले कार्यक्रमों की बनीं रूपरेखा

बरेला। भगवान परशुराम जयंती (20 अप्रैल) के उपलक्ष्य में सर्व ब्राह्मण समाज बरेला एवं क्षेत्रीय नागरिकों द्वारा भव्य आयोजन की तैयारी को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक परशुराम धाम बरेला में आयोजित कर कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई और सुझाव आमंत्रित किए गए। समाज के अध्यक्ष अरविन्द तिवारी ने बताया कि 20 अप्रैल को प्रातः 8 बजे भैरव बाबा मंदिर से विशाल वाहन रैली निकलेगी, जो नगर भ्रमण करते हुए शारदा देवी मंदिर पहुंचकर परशुराम धाम, वार्ड क्रमांक 11 में समाप्त होगी। यहां महाआरती के बाद प्रसाद वितरण एवं छोले-भटूरे का भंडारा आयोजित किया जाएगा। नगर अध्यक्ष योगेश दुबे एवं युवा अध्यक्ष ज्ञानू प्यासी ने आयोजन समिति के साथ जनसंपर्क की रूपरेखा तैयार की। बैठक में गोविंद दुबे, महेश मानव, सतेन्द्र गर्ग, आशीष शुक्ला, श्रीकांत उपाध्याय, अमित शुक्ला, संजय दुबे, नंदकुमार उपाध्याय, मिथलेश तिवारी, विनोद त्रिपाठी, विष्णु तिवारी, निखिल दुबे, अप्पू पांडेय, छोटू दुबे सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। इसके अलावा 19 अप्रैल को उमरिया कुडारी में सभी विप्र बंधुओं से उपस्थित होकर सनातन धर्म ध्वजा फहराने का आह्वान किया गया।

## "ऑपरेशन यात्री सुरक्षा" में सफलता पर आरपीएफ टीम सम्मानित

जबलपुर। रेलवे यात्रियों की सुरक्षा के लिए चलाए जा रहे "ऑपरेशन यात्री सुरक्षा" के तहत रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) जबलपुर मंडल को बड़ी सफलता मिली है। टीम ने एक अंतर्राज्यीय आदतन अपराधी को गिरफ्तार कर सराहनीय कार्य किया, जिसके लिए RPF कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। 06 अप्रैल 2026 को सिहोरा रेलवे स्टेशन पर ड्यूटी के दौरान आरपीएफ स्टाफ ने ट्रेन संख्या 11753 से उतरकर संदिग्ध रूप से भाग रहे व्यक्ति को पकड़ा। पीछा करने पर आरोपी पास के तालाब में कूद गया, लेकिन पुलिस और गोताखोरों की मदद से उसे बाहर निकालकर गिरफ्तार किया गया। आरोपी की पहचान हरविंदर सिंह (32), निवासी बिजनौर (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई, जो कई राज्यों में चोरी के मामलों में वांछित था। जांच में सामने आया कि आरोपी के खिलाफ मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों में भारतीय दंड संहिता की धारा 379/411 के तहत कई मामले दर्ज हैं। उसे न्यायालय में पेश किया गया। इस कार्रवाई में निरीक्षक राजीव खर्ब, उप निरीक्षक अरविंद, कांस्टेबल विनय मौर्य और आशीष यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही। 09 अप्रैल 2026 को उत्कृष्ट कार्य के लिए RPF टीम को राजीव कुमार यादव, कमल कुमार तलरेजा, आनंद कुमार, मो. मुनव्वर खान, राहुल जयपुरियार और मधुर वर्मा सहित अधिकारियों की उपस्थिति में सम्मानित किया गया।



## आदिवासी साहित्य पर व्याख्यान आयोजित

जबलपुर। स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना के अंतर्गत प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकोशल स्वशासी अग्रणी महाविद्यालय में "भारतीय ज्ञान परंपरा में आदिवासी साहित्य का महत्व" विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. लीला भलावी ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में वेद, उपनिषद और दर्शन के साथ लोक एवं आदिवासी परंपराओं का महत्वपूर्ण योगदान है। आदिवासी साहित्य मुख्यतः मौखिक परंपरा पर आधारित है, जिसमें लोकगीत, लोककथाएं और कहावतें पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तांतरित होती रही हैं। यह परंपरा ज्ञान के संरक्षण के साथ सामूहिक स्मृति को भी जीवित रखती है। संभागीय समन्वयक प्रो. अरुण शुक्ल ने आदिवासी साहित्य में सामाजिक समरसता और नैतिक मूल्यों के महत्व पर प्रकाश डाला। प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुर्वेदी ने इसे भारतीय ज्ञान परंपरा की अमूल्य धरोहर बताते हुए प्रकृति से जुड़कर सरल जीवन जीने की प्रेरणा का स्रोत बताया। कार्यक्रम में डॉ. ज्योति जुनगरे, डॉ. महेन्द्र कुशवाहा, डॉ. तरुणेन्द्र साकेत सहित लगभग 58 विद्यार्थी उपस्थित रहे।

## निधन

**श्री सतीश गुगलानी**- ए 8, विजयनगर रांझी निवासी श्री सतीश गुगलानी (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्रीमती शारदा कोहली**- शक्तिनगर गुप्तेश्वर निवासी श्री सरदारी लाल कोहली की धर्मपत्नी श्रीमती शारदा कोहली (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

**श्रीमती उषा बाई शुक्ला**- 56, पीपी कॉलोनी गौरीघाट रोड निवासी श्री रतन लाल शुक्ला की धर्मपत्नी श्रीमती उषा बाई शुक्ला (94) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्री राजेंद्र कुमार उईके**- प्रेमनगर मदनमहल गुप्तेश्वर वार्ड निवासी श्री राजेंद्र कुमार उईके (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

**श्री संतोष कुमार भट्टाचार्य**- एलआईजी 594, मदर टेरेसा नगर कटंगी रोड निवासी श्री संतोष कुमार भट्टाचार्य (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्रीमती सुमन देवी चौरसिया**- सेठ गोविंददास वार्ड लालमाटी निवासी श्री कैलाशनाथ चौरसिया की धर्मपत्नी श्रीमती सुमन देवी चौरसिया (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

**श्रीमती ममता पटेल**- ब्यौहारबाग निवासी श्री डुमारी लाल पटेल की धर्मपत्नी श्रीमती ममता पटेल (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्रीमती तिजिया बाई राठौर**- प्रेमसागर राधाकृष्णन वार्ड निवासी श्री मुन्ना लाल राठौर की धर्मपत्नी श्रीमती तिजिया बाई राठौर (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

**श्रीमती रेशमी पासवान**- शिवनगर गढ़ा रेलवे क्रासिंग के पास निवासी श्री गिरधारी पासवान की धर्मपत्नी श्रीमती रेशमी पासवान (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्रीमती चंद्रकांता पिल्ले**- पोलीपाथर गौरीघाट रोड निवासी श्री सुंदर लाल पिल्ले की धर्मपत्नी श्रीमती चंद्रकांता पिल्ले (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

**श्री धर्मेंद्र सिंह**- गोरखपुर स्थित अनगढ़ महावीर मंदिर के सामने निवासी श्री धर्मेंद्र सिंह (54) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्री नरेंद्र प्रसाद तिवारी**- नर्मदा नगर बिलहरी निवासी श्री नरेंद्र प्रसाद तिवारी (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

हरिभूमि
निजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब मात्र 90/- प्रति वर्ग से.मी.
फिक्स साइज:- 10x4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- 10x4 से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज 10x10 से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:- 9303308294, 9407362100

### न्यायालय तहसीलदार रांझी जबलपुर

रा.प्र.क्रं./ 672/अ-6/2025-26 फौती

**आम इश्तहार**

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक वन्दना वर्मा पिता गुरू नारायण वर्मा नि.-1415 बचउ का बाड़ा कॉचघर स्टेशन रोड ने नजूल ब्लाक नं. 26 प्लाट नं. 3/5-बी-22,5/2-ए-18 रकवा 616 व.फु./हे. ग्राम सिविल स्टेशन रकवा 616 व.फु./हे. विक्रय पत्र/ हक त्याग/ वसीयतनामा/ दानपत्र/ वारसान हक/दिनांक मृत्यु दिनांक 11/12/2023 को हो जाने के कारण वारसान हक/क्रय उपरांत नाम दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र, खसरा की छायाप्रति प्रस्तुत किया है। प्रकरण में आवेदक द्वारा संलग्न नजूल संधारण खसरा/ पटवारी/ डायवर्सन खसरा अनुसार ब्लाक नं. 26 प्लाट नं. 3/5-बी-22,5/2-ए-18 रकवा 616 व.फु./हे. ग्राम सिविल स्टेशन रकवा 616 व.फु./हे. के नाम दर्ज है। अतः किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से दिनांक 13/04/2026 को इस न्यायालय तहसील रांझी जबलपुर में प्रस्तुत कर सकता हैं। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तिकर्ता को आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं कि जावेगी।

इश्तहार आज दिनांक 26/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

जारी दिनांक :- 26/03/2026
पेशी दिनांक :- 13/04/2026

तहसीलदार
रांझी जबलपुर

### न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार, तहसील अधारताल, जिला जबलपुर (म.प्र.)

**आम इश्तहार** रा.प्र.क्र./4878/अ-6/2025-26
जबलपुर, दिनांक-24/03/2026

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि, आवेदक श्री दीपक पटेल पिता स्व. श्री रामगोपाल पटेल, निवासी 134, शिव शक्ति नगर, महाराजपुर, नया वार्ड नं. 75, अधारताल, खजरी, जबलपुर के द्वारा मौजा महाराजपुर के पटवारी एवं डायवर्सन खसरा नं. 254/49, रकवा 4800 वर्गफुट पटवारी एवं डायवर्सन खसरा नं. 323/24, रकवा 1600 वर्गफुट, पटवारी खसरा नं. 109/12, रकवा 3000 वर्गफुट एवं डायवर्सन खसरा नं. 109/2, प्लॉट नं. 6, 7, 8, रकवा 3000 वर्गफुट भूमि ई-पंजीकृत वसीयतनामा क्रमांक एम.पी. 182552024 ए 31133903, दिनांक 13/09/2024 के माध्यम से वसीयत की गई भूमि का नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। वर्तमान में भूमि वसीयतकर्ता श्री रामगोपाल पटेल पिता स्व. श्री कुंवरलाल पटेल, निवासी 134 135, शिवशक्ति नगर, महाराजपुर, जबलपुर म.प्र. के नाम दर्ज है। वसीयतकर्ता श्री राम गोपाल पटेल पिता कुंवर लाल का निधन दिनांक 10/02/2026 को हो गया है, (मृत्यु प्रमाण-पत्र संलग्न है)। तत्संबंध में नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति लिखित में मय दस्तावेज पेशी दिनांक 16/04/2026 तक न्यायालय तहसीलदार अधारताल, जबलपुर में स्वंय उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता के द्वारा पेश कर सकता है। पेशी अवधि व्यतीत हो जाने पर प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नही किया जावेगा। आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

जारी दिनांक- 24/03/2026
पेशी दिनांक- 16/04/2026

शील

अतिरिक्त तहसीलदार
अधारताल, जबलपुर

### न्यायालय तहसीलदार रांझी जबलपुर

रा.प्र.क्रं/1668/अ-6/2025-26

**आम इश्तहार**

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक नरेन्द्र कुमार जायसवाल S/o स्व. ओम प्रकाश जायसवाल नि.-52 सल्प आय सोसायटी कछपुरा गढ़ा ने नजूल ब्लाक नं.-26 प्लाट नं.-3/22-D रकवा 780 व.फु./हे. ग्राम सिविल स्टेशन प.ह.नं.- खसरा नं.- रकवा 780 व.फु./हे. पर विक्रय पत्र/ हक त्याग/ वसीयतनामा/ दानपत्र/ वारसान हक/ दिनांक-12/07/2005 मृत्यु दिनांक-13/10/2015 को हो जाने के कारण वारसान हक/ क्रय उपरांत नाम दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र- खसरा की छायाप्रति प्रस्तुत किया है।

प्रकरण में आवेदक द्वारा संलग्न नजूल संधारण खसरा/पटवारी/ डायवर्सन खसरा अनुसार नजूल ब्लाक नं.-26 प्लाट नं.-3/22-D रकवा-780 व.फु.हे. / ग्राम- सिविल स्टेशन प.ह.नं.- खसरा नं.- रकवा-780 व.फु./हे. पर के नाम दर्ज है।

अत: किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से दिनांक 13/04/2026 को इस न्यायालय तहसील रांझी जबलपुर में प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तिकर्ता की आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

इश्तहार आज दिनांक 26/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

जारी दिनांक-26/03/2026
पेशी दिनांक-13/04/2026

मुद्रा

तहसीलदार
रांझी, जबलपुर

### न्यायालय तहसीलदार रांझी जबलपुर

रा.प्र.क्रं/1648/अ-6/2025-26

**आम इश्तहार**

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती प्रीति शर्मा S/o स्व. अत्तू उर्फ आशीष शर्मा नि.-992 द्वारका नगर झा मोहल्ला कॉंचघर ने नजूल ब्लाक नं.-149 प्लाट नं.-54/3 रकवा 520 व.फु./हे. ग्राम करियापाथर प.ह.नं.- खसरा नं.- रकवा 520 व.फु./हे. पर विक्रय पत्र/ हक त्याग/ वसीयतनामा/ दानपत्र/ वारसान हक/ दिनांक- मृत्यु दिनांक-14/03/2024 को हो जाने के कारण वारसान हक/ क्रय उपरांत नाम दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र- खसरा की छायाप्रति प्रस्तुत किया है।

प्रकरण में आवेदक द्वारा संलग्न नजूल संधारण खसरा/पटवारी/ डायवर्सन खसरा अनुसार नजूल ब्लाक नं.-149 प्लाट नं.-54/3 रकवा-520 व.फु.हे. / ग्राम-करियापाथर प.ह.नं.- खसरा नं.- रकवा-520 व.फु./हे. पर के नाम दर्ज है।

अत: किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से दिनांक 13/04/2026 को इस न्यायालय तहसील रांझी जबलपुर में प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तिकर्ता की आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

इश्तहार आज दिनांक 26/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

जारी दिनांक-26/03/2026
पेशी दिनांक-13/04/2026

मुद्रा

तहसीलदार
रांझी, जबलपुर

**बंगाल में सियासी भूचाल!**

# 'हुमायूं कबीर और भाजपा में 1000 करोड़ की डील'

## वीडियो वायरल, टीएमसी ने की ईडी जांच की मांग

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल की सियासत में हलचल मच गई है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने हुमायूं कबीर से जुड़ा एक कथित स्टिंग ऑपरेशन वीडियो जारी किया है। पार्टी का दावा है कि इस वीडियो में कबीर और बीजेपी के बड़े नेताओं के बीच करोड़ों रुपये की डील की बातचीत सामने आई है।

टीएमसी ने इस पूरे मामले की जांच की मांग भी उठाई है। टीएमसी के मुताबिक, जारी किए गए वीडियो में हुमायूं कबीर कथित तौर पर 1000 करोड़ रुपये की डील की बात करते नजर आ रहे हैं, जिसमें 300 करोड़ रुपये एडवांस देने का भी जिक्र किया गया है। पार्टी का आरोप है कि इस कथित डील में बीजेपी के कई बड़े नेताओं के नाम सामने आए हैं। इनमें मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, पश्चिम बंगाल के नेता शुभेंदु अधिकारी और पीएमओ का भी जिक्र किया गया है। इस मामले को लेकर टीएमसी नेताओं फिरहाद हकीम, अरूप बिस्वास और कुणाल घोष ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसे 'बड़ा खुलासा' किया। उन्होंने कहा कि यह वीडियो बेहद गंभीर है और इससे बड़े राजनीतिक गठजोड़ की साजिश का संकेत मिलता है।

### एक बड़ा सियासी खेल

टीएमसी ने इस पूरे मामले की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से कराने की मांग की है। पार्टी का कहना है कि इतने बड़े वित्तीय लेन-देन के आरोपों की निष्पक्ष जांच जरूरी है। टीएमसी ने इसे पश्चिम बंगाल चुनाव से जुड़ी साजिश बताया है और दावा किया है कि यह एक बड़ा राजनीतिक खेल है। इस खुलासे के बाद राज्य की राजनीति में तनाव और आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं।

# लोकतंत्र का त्यौहार

## असम, केरलम, पुडुचेरी में गुरुवार को मतदान

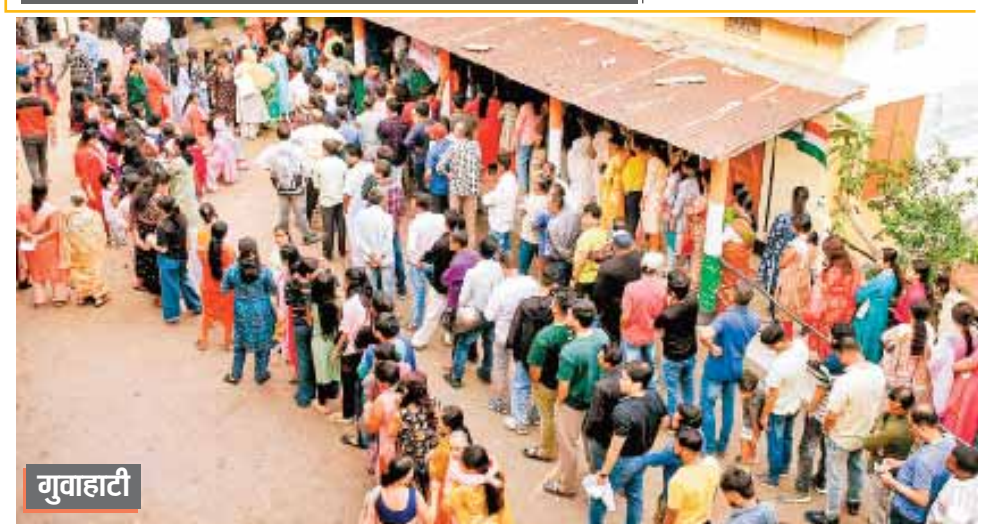


**नई दिल्ली।** देश के दो राज्यों असम, केरलम और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में गुरुवार को विधानसभा चुनाव के लिए गुरुवार को छिटपुट हिंसा के बीच मतदान संपन्न हो गया। तीनों राज्यों में एक ही चरण में मतदान हुआ है, जो सुबह 7 बजे शुरू होकर शाम 6 बजे तक चला। चुनाव आयोग के अनुसार शाम 5 बजे तक असम में 84.42%, केरलम में 75.01% और पुडुचेरी में 86.92% वोटिंग हुई। असम में सीएम हिमंता बिस्व सरमा ने गुवाहाटी में मां कामाख्या मंदिर में पूजा की। इसके बाद पत्नी के साथ जालुकबाड़ी में वोट डाला। इनके अलावा, केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, कांग्रेस नेता तरूण गोगई, अगपा प्रमुख अतुल बोरा, केरलम में मंत्री जार्ज कुरियन, सुरेश गोपि, पूर्व रक्षा मंत्री और कांग्रेस लीडर एके एंटनी, शशि थरूर, फिल्म अभिनेता मोहनलाल, पुडुचेरी में नेता प्रतिपक्ष आर शिवा सहित बड़ी संख्या में लोगों ने मतदान किया।

### पोलिंग बूथ पर रोबोट

*पुडुचेरी में तकनीक और परंपरा का अनोखा संगम देखने को मिला। भारत निर्वाचन आयोग ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में जानकारी दी कि पुडुचेरी में साड़ी पहने 'नीला' नाम का वेलकम रोबोट इंटरनेशनल इलेक्शन विजिटर्स प्रोग्राम (आईईवीपी) के प्रतिनिधियों का स्वागत कर रहा है।*

गोलाघाट में अगपा अध्यक्ष अतुल बोरा व परिजन

पुडुचेरी नेता प्रतिपक्ष डीएमके नेता आर शिवा

*सीबीएसई पाठ्यक्रम में नए सत्र से तीन भाषाएं*

# इंग्लिश फॉरेन या इंडियन लैंग्वेज, असमंजस में स्कूल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से संबद्ध स्कूलों में इसी सेशन यानी एकेडमिक सेशन 2026-27 से तीन भाषाएं पढ़ाई जाएंगी। मसलन, इसी सेशन से क्लास 6 से ऊपरी क्लास के स्टूडेंट्स तीन भाषाएं पढ़ेंगे। सीबीएसई ने सभी स्कूलों को क्लास 6 में तीसरी भाषा (आर-3) शुरू करने का निर्देश दिया है। सीबीएसई ने ये स्पष्ट किया गया है कि यह फैसला हाल ही में जारी नए स्कीम ऑफ स्टडीज के तहत लिया गया है, जो नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 के तहत लागू किए जा रहे तीन भाषा फॉर्मूला का हिस्सा है। सीबीएसई ने कहा कि इस फैसले का उद्देश्य स्टूडेंट्स की भाषा समझ और ज्ञान को मजबूत करना है। सीबीएसई के इस फैसले को स्कूल प्रिंसिपल असमंजस में है। स्कूल प्रिंसिपल इंग्लिश की कैटेगरी तय ना होने की वजह से असमंजस में हैं।

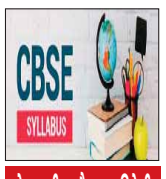


### दो भारतीय और एक विदेशी

स्कूल इस बात को लेकर स्पष्ट नहीं है कि इसमें इंग्लिश को फॉरेन लैंग्वेज की कैटेगरी में रखा है या नहीं। इसको लेकर विद्या बाल भवन सीनियर सेकेंड्री स्कूल मयूर विहार फेज 3 के प्रिंसिपल डॉक्टर एसवी शर्मा कहते हैं कि भी तक हम हिंदी, अंग्रेजी और संस्कृत पढ़ा रहे थे, लेकिन अब आर-1 में किस भाषा को रखना है, आर-2 में किसे रखना है और आर-3 में कौन कौन सी आएंगी, यह नहीं पता है।

### असमंजस के बीच सेशन शुरू

कुल मिलाकर स्कूल अभी पूरी तरह से स्पष्ट नहीं हैं और सीबीएसई के सर्कुलर का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि सेशन शुरू हो चुका है, स्टूडेंट्स ने किताबें खरीद ली हैं और क्लासेज भी शुरू हो गई हैं, लेकिन थ्री लैंग्वेज फॉर्मूला पर कुछ स्पष्ट नहीं है। लागू करना है ये सब जानते हैं, लेकिन कैसे करना है, ये नहीं पता है।

# भाजपा ने सत्ता हथियाने 90 लाख नाम हटाए : ममता

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर राज्य में सत्ता हथियाने के लिए मतदाता सूचियों से 90 लाख से अधिक लोगों के नाम हटाने का आरोप लगाते हुए बृहस्पतिवार को दावा किया कि उनकी पार्टी आगामी चुनाव जीतेगी। उत्तर 24 परगना जिले के मीनाखान में जनसभा को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि उनकी पार्टी मतदाता सूचियों से हटाए गए लोगों के नाम शामिल कराने के लिए अदालत का रुख करेगी। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लेकर भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, 'आपने बंगाल में सत्ता हथियाने के लिए 90 लाख से अधिक लोगों के नाम हटा दिए, लेकिन चुनाव हम ही जीतेंगे।' उनकी यह टिप्पणी राज्य में एसआईआर प्रक्रिया पूरी होने के बाद लगभग 91 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूचियों से हटाए जाने के संदर्भ में आई।

### बंगाल सीएम ने लगाया आरोप, ईसी पर साधा निशाना

## खबर संक्षेप

### अक्षय कुमार शूटिंग के दौरान हुए चोटिल

**मुंबई।** आगामी हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूत बंगला' के निर्माताओं ने शूटिंग के वक्त का एक वीडियो साझा किया है, जिसमें अभिनेता अक्षय कुमार फिल्म के सेट पर स्टंट के दौरान चोटिल नजर आ रहे हैं। इस छोटे से वीडियो क्लिप में, कुमार हवा में जंप किक मारते हुए दिखाई दे रहे हैं। हालांकि, इस दौरान उनका संतुलन बिगड़ जाता है और वह गिर जाते हैं। जिससे उन्हें चोट लग जाती है। अक्षय कुमार फिल्मों में अपने स्टंट खुद करने के लिए जाने जाते हैं।

### अविमुक्तेश्वरानंद को जान से मारने की धमकी

**नई दिल्ली।** स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को जान से मारने की धमकी मिली है। उन्हें भेजे गए ऑडियो मैसेज में कहा गया कि जैसे अतीक अहमद को मारा गया था, वैसे ही उन्हें भी मार दिया जाएगा। इन ऑडियो में 33 बार गालियां भी दी गई हैं और कहा गया है कि उनकी यात्रा के दौरान हमला किया जाएगा।

### नेपाल के पूर्व पीएम ओली और पूर्व गृह मंत्री रिहा

**काठमांडू।** नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक को जमानत मिल गई है। अब उन्हें जेल से बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सरकारी वकील के दफ्तर ने पुलिस को चिट्ठी भेजकर कहा है कि दोनों नेताओं की रिहाई सुनिश्चित की जाए। हालांकि, केपी शर्मा ओली की तबियत ठीक नहीं है, इसलिए उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है।

# सिक्किम में बर्फबारी-लैंडस्लाइड हजार टूरिस्ट को सेना ने बचाया

## भूस्खलन के कारण टूट गया है सड़क संपर्क

**गंगटोक।** सिक्किम के मंगन जिले के लाचेन में कई भूस्खलनों के कारण सड़क संपर्क टूट जाने के बाद फंसे 1,000 से अधिक पर्यटकों को बचाया गया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि ये पर्यटक पांच अप्रैल से उत्तरी सिक्किम के लाचेन में फंसे हुए थे। अधिकारियों ने बताया कि बृहस्पतिवार को 1,321 पर्यटकों और 84 स्थानीय लोगों को बचाया गया। उन्होंने बताया कि बचाव अभियान मंगन जिला अधिकारी अनंत जैन की देखरेख में और सेना, बीआरओ, 'लाचेन जुमसा' तथा पर्यटन क्षेत्र से जुड़े हितधारकों के सक्रिय समन्वय से चलाया गया। ताराम चू से चुंगथांग और फिर वहां से गंगटोक तक पर्यटकों को ले जाने के लिए बसों और पर्यटक वाहनों की विशेष व्यवस्था की गई थी। ताराम चू में निकासी प्रक्रिया पूरी होने के बाद, स्थानीय विधायक और सिक्किम के सामाजिक कल्याण मंत्री समदुप लेपचा ने भारतीय सेना और बीआरओ के अधिकारियों से बातचीत की और उनके निरंतर प्रयासों के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने पर्यटकों से बातचीत भी की और उन्हें उनके गंतव्य तक सुखद यात्रा की शुभकामनाएं दीं। मंत्री ने लाचेन से पर्यटकों को सुरक्षित निकालने के कठिन कार्य में शामिल जिला प्रशासन और सभी एजेंसियों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, 'खराब मौसम और रसद संबंधी चुनौतियों के बावजूद, टीम वर्क और सामुदायिक भावना के माध्यम से मिशन को सफलतापूर्वक पूरा किया गया।'

### यह बताया अफसरों ने

अधिकारियों ने बताया सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) सेना के साथ मिलकर चुनौतीपूर्ण भूभाग और मौसम के बावजूद सड़क को साफ करने, बर्फ हटाने और संपर्क बहाल करने का काम लगातार कर रहा है। सेना के एक अधिकारी ने कहा, 'हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा और कल्याण है। हमारी टीम जमीनी स्तर पर सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।' कई भूस्खलनों के कारण लाचेन और चुंगथांग के बीच सड़क संपर्क बाधित हो गया है। चुंगथांग भारत-चीन सीमा के निकट का क्षेत्र है।

# नाटो पर ट्रंप का फिर हमला, कहा : जरूरत के वक्त साथ नहीं दिया

**वॉशिंगटन।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो महासचिव मार्क रुटे के साथ बंद कमरे में हुई बैठक के बाद सैन्य गठबंधन की पुनः आलोचना करते हुए दोहराया कि जरूरत के समय नाटो अमेरिका के साथ नहीं था। बैठक से पहले ट्रंप ने संकेत दिया था कि ईरान युद्ध के दौरान सहयोग नहीं मिलने पर अमेरिका नाटो से अलग होने पर विचार कर सकता है। बैठक के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर बड़े (कैपिटल) अक्षरों में लिखा, "नाटो हमारे साथ नहीं था जब हमें उसकी जरूरत थी और आगे जरूरत पड़ने पर भी नहीं होगा।" व्हाइट हाउस ने इस पर तत्काल कोई अतिरिक्त जानकारी नहीं दी। प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि ट्रंप नाटो से अलग होने के मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं। ट्रंप और रुटे के बीच यह बैठक ऐसे समय हुई जब अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम पर सहमति बनी है, जिसके तहत होर्मुज को फिर से खोलने का रास्ता साफ हुआ है।

# सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में रखी मांग 'देश के हालात पहले जैसे नहीं अब जनहित याचिका खत्म हो'

## *सरकार कहना है, इसका हो रहा है दुरुपयोग*

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से जनहित याचिकाओं (पीआईएल) के ढांचे की समीक्षा करने और इसे पूरी तरह से समाप्त करने का आग्रह किया है। सरकार का तर्क है कि जिस उद्देश्य से जनहित याचिका की शुरुआत की गई थी, वह अब काफी हद तक पूरा हो चुका है और वर्तमान में इसका दुरुपयोग अधिक हो रहा है। यह महत्वपूर्ण दलील सॉलिसिटर जनरल (एसजी) तुषार मेहता ने मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली 9 जजों की संविधान पीठ के समक्ष दी। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, सॉलिसिटर जनरल ने अपने लिखित और मौखिक बयानों में कई महत्वपूर्ण बिंदु उठाए। उन्होंने कहा कि पिछले 5 दशकों में वह स्थिति काफी बदल गई है जिसके कारण पीआईएल की जरूरत थी। अब समय आ गया है कि पीआईएल में सिर्फ सुधार न किया जाए, बल्कि इसे पूरी तरह से हटा दिया जाए। उन्होंने कहा कि आज के समय में न्याय प्रणाली अधिक सुलभ और पारदर्शी हो गई है। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (एनएएलएसए) और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएएलएसए) जैसे संस्थान मौजूद हैं, जो जरूरतमंदों को मुफ्त कानूनी सलाह और सहायता देते हैं। ई-फाइलिंग के जरिए अब अदालत तक पहुंचना बहुत आसान हो गया है; यहां तक कि एक पत्र भी सीधे अदालत पहुंच सकता है। इसलिए अब किसी 'तीसरे पक्ष' द्वारा प्रतिनिधित्व की आवश्यकता नहीं है। एसजी मेहता ने जोर देकर कहा कि आजकल दायर होने वाली ज्यादातर जनहित याचिकाएं प्रेरित होती हैं। पर्दे के पीछे से कोई और इन्हें नियंत्रित करता है, इसलिए ऐसी याचिकाओं पर विचार ही क्यों किया जाना चाहिए।

### यह कहा सीजेआई ने

बता दें कि सॉलिसिटर जनरल की दलीलों पर सीजेआई सूर्यकांत ने सहमति जताते हुए कहा कि अदालतें जनहित याचिका को लेकर सतर्क हो गई हैं। अदालतें अब पीआईएल स्वीकार करने से पहले बहुत सावधानी बरतती हैं। इसे दायर करने की वजहों की बारीकी से जांच करती हैं। अब उन याचिकाओं पर नोटिस जारी होते हैं, जिनमें कोई दम या ठोस आधार होता है। 2006 से 2026 तक तक 20 साल में बहुत कुछ बदल गया है। हो सकता है कि आगे जाकर जनहित याचिका (पीआईएल) की जरूरत ही न पड़े।

### क्या है पीआईएल

जनहित याचिका की व्यवस्था मुख्य रूप से उन लोगों के लिए शुरू की गई थी जो सामाजिक या आर्थिक रूप से कमजोर थे। इसका लक्ष्य यह था कि जो लोग गरीबी, अशिक्षा, विकलांगता या सामाजिक बहिष्कार के कारण खुद अदालत का दरवाजा नहीं खटखटा सकते, उनके अधिकारों की रक्षा के लिए कोई तीसरा व्यक्ति या संस्था उनकी ओर से अदालत में याचिका दायर कर सके। जैसे बंधुआ मुक्ति मोर्चा बनाम भारत संघ मामला।

**अमरनाथ यात्रा के लिए पंजीकरण 15 अप्रैल से होंगे शुरू**

**श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड ने किया ऐलान**

# पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर होगा रजिस्ट्रेशन

## *यात्रा परमिट और रूट सिस्टम*

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अमरनाथ यात्रा के लिए 15 अप्रैल से पंजीकरण कराया जा सकेगा। श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड ने बुधवार को इसका एलान कर दिया। पंजीकरण देश भर के निर्धारित बैंक शाखाओं के माध्यम से होगा। यात्रा परमिट 'पहले आओ-पहले पाओ' के आधार पर जारी होगा। यात्रा की तारीख भी जल्द घोषित की जाएगी। देश भर की 554 बैंक शाखाओं में पंजीकरण होगा। पंजीकरण के दौरान प्रत्येक बैंक शाखा को प्रतिदिन, प्रति मार्ग एक निश्चित कोटा आवंटित किया गया है। 13 वर्ष से कम उम्र के बच्चों और 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों का पंजीकरण नहीं होगा। इसी तरह छह सप्ताह से अधिक की गर्भवती का भी पंजीकरण नहीं होगा। बोर्ड के अधिकारियों का कहना है कि इस वर्ष यात्रा परमिट आधार-आधारित बायोमीट्रिक ई-केवाईसी प्रमाणीकरण के बाद सिस्टम से एनआईसी पोर्टल (https://jksasb.nic.in) पर जारी किया जाएगा। यदि प्रमाणीकरण में तकनीकी खराबी आती है तो बैंक शाखा मैनुअल फोटो और डेटा प्रविष्टि के माध्यम से पंजीकरण कर सकेगी।

अमरनाथ यात्रा 2026 के लिए परमिट जारी होने के बाद उसमें तीर्थयात्री द्वारा चुना गया रूट स्पष्ट रूप से दर्ज होगा। परमिट में या तो बालटाल रूट या पहलगाम रूट से दिया जाएगा। इसके साथ ही यात्रा की तारीख और प्रवेश समय भी तय होगा। बालटाल रूट पर डोमेल और पहलगाम रूट पर चंदनवाड़ी से प्रवेश दिया जाएगा। निर्धारित समय और तारीख पर ही यात्रियों को आगे बढ़ने की अनुमति होगी।

### *रजिस्ट्रेशन फीस और अन्य नियम*

हर यात्रा परमिट के लिए 150 रुपये की निर्धारित फीस रखी गई है। इसके अलावा, यात्रियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि रजिस्ट्रेशन के समय आधार नंबर और मोबाइल नंबर सही दर्ज किए जाएं। श्राइन बोर्ड ने बैंकों को निर्देश दिया है कि वे हेल्प डेस्क की व्यवस्था करें और स्टाफ को उचित प्रशिक्षण दें, ताकि रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया सुचारु रूप से चल सके।

### रजिस्ट्रेशन की समय सीमा

*श्राइन बोर्ड ने यह भी स्पष्ट किया है कि किसी भी विशेष तारीख की यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन यात्रा से 7 दिन पहले बंद कर दिया जाएगा। इसलिए यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे समय पर आवेदन करें। अमरनाथ यात्रा 2026 के लिए इस बार व्यवस्था को और अधिक डिजिटल, सुरक्षित और पारदर्शी बनाया गया है। हेल्थ सर्टिफिकेट, उम्र सीमा और बायोमेट्रिक रजिस्ट्रेशन जैसे नियम यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर लागू किए गए हैं। जो भक्त इस पवित्र यात्रा का हिस्सा बनना चाहते हैं, उन्हें सभी दिशानिर्देशों का पालन करना जरूरी होगा, ताकि यात्रा बिना किसी परेशानी के पूरी हो सके।*

**10-20 और 50 के नोट लेकर जा रहा था युवक, 1000 रुपए की गड्डी पर 100 रुपए कमीशन**

# छोटे नोटों का बड़ा धंधा, सूटकेस में भरकर कटनी जा रहा युवक धरा गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

ट्रेन में चेकिंग होने की खबर मिलते ही एक युवक जंगल के छोटे स्टेशन में उतर गया। इसी दौरान अपराधी की तलाश में भटक रही पुलिस की नजर स्टेशन के बाहर उक्त युवक पर पड़ गई, पुलिसकर्मियों ने उसे पकड़कर सूटकेस व बैग खोलकर देखा तो उनमें नोटों की गड्डियां भरी मिलीं। पुलिस को युवक के पास से 17 लाख 90 हजार रुपए मिले हैं। युवक से रुपए के संबंध में पूछताछ की जा रही है।बेलगहना चौकी प्रभारी हेमंत सिंह ठाकुर ने बताया, 6 अप्रैल को आमागोहन निवासी कल्पना तिवारी के साथ नकाबपोश युवक ने सोने की चेन लूटने की कोशिश की थी। उक्त मामले के आरोपी की पतासाजी की जा रही थी। इसी दौरान टेंगनमाड़ा रेलवे स्टेशन के बाहर एक युवक दो सूटकेस, एक पिट्ठू बैग लेकर खड़ा हुआ था। संदेह होने पर वे स्टाफ के साथ उसके पास जा रहे थे तो युवक सूटकेस छोड़कर भागने लगा। पुलिस ने दौड़ाकर युवक को पकड़ लिया।

**बैंकिंग सेक्टर में बड़ा उलटफेर**

# एसबीआई बना देश का दूसरा बड़ा बैंक, गिरावट के बीच भी पलटी बाजी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय बैंकिंग सेक्टर में मार्च तिमाही के दौरान बड़ा बदलाव देखने को मिला है, जहां स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने आईसीआईसीआई बैंक को पीछे छोड़ते हुए मार्केट कैप के हिसाब से देश का दूसरा सबसे बड़ा बैंक बनने का दर्जा हासिल कर लिया है।

खास बात यह है कि यह बदलाव ऐसे समय में हुआ है, जब पूरे बैंकिंग सेक्टर पर दबाव बना हुआ था और ज्यादातर बैंकों के शेयरों में गिरावट देखने को मिली। ऐसे में एसबीआई ने बड़ा कारनामा कर बैंकिंग सेक्टर में अपनी पोजिशन को मजबूत कर लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक एसबीआई का मार्केट कैप मामूली 0.3 फीसदी गिरावट के बावजूद करीब 9 लाख करोड़ के आसपास बना रहा, जबकि आईसीआईसीआइ बैंक के मार्केट कैप

में 10 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई। यही वजह रही कि एसबीआई ने रैंकिंग में बढ़त बना ली। एक्सपर्ट्स का मानना है कि एसबीआई के मजबूत नेट इंटरेस्ट मार्जिन और स्थिर प्रदर्शन ने इस गिरावट के दौर में भी उसे मजबूती दी।

**एचडीएफसी बैंक अभी भी देश का सबसे बड़ा बैंक बना हुआ है**

**एसबीआई का मार्केट कैप करीब 9 लाख करोड़ रु.के आसपास**

## 18 बैंकों के मार्केट कैप में गिरावट

पूरे बैंकिंग सेक्टर की बात करें तो स्थिति बहुत बेहतर नहीं रही। 20 बड़े बैंकों में से 18 के मार्केट कैप में गिरावट आई। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण वैश्विक अनिश्चितता और मिडिल ईस्ट में बढ़ता तनाव रहा, जिससे निवेशकों का भरोसा थोड़ा कमजोर पड़ा। इसके अलावा विदेशी निवेशकों ने भी मार्च में भारी बिकवाली की, जिससे बाजार पर और दबाव बढ़ा। एचडीएफसी बैंक अभी भी देश का सबसे बड़ा बैंक बना हुआ है, भले ही इसके मार्केट कैप में करीब 26 फीसदी की गिरावट आई हो, लेकिन फिर ये लिस्ट में सबसे टॉप पर है। जानकारी के मुताबिक इसके शेयर में गिरावट के पीछे मैनेजमेंट से जुड़ी खबरें और बाजार की कमजोरी दोनों ही कारण रहे हैं। बैंकिंग सेक्टर के लिए यह तिमाही काफी उतार-चढ़ाव भरी रही है। इसके बावजूद भी बीच मजबूत फंडामेंटल वाली कंपनियां अपनी स्थिति को मजबूत बनाए हुई हैं। एसबीआई का आईसीआईसीआई बैंक को पीछे छोड़ना इसी बात का उदाहरण है कि स्थिर प्रदर्शन और भरोसेमंद ग्रोथ रणनीति लंबे समय में निवेशकों का विश्वास जीतती है।

### ब्लॉसम कोच्चर ने सिग्नेचर एसेंशियल ऑयल्स नए लुक में किया लांच

**भोपाल।** एरोमाथेरेपी कंपनी ब्लॉसम कोच्चर एरोमा मैजिक ने अपने प्रतिष्ठित एसेंशियल ऑयल्स के संग्रह को एक नए, आकर्षक रूप में फिर से लांच करने की घोषणा की। इस अवसर पर डॉ. ब्लॉसम कोच्चर, संस्थापक और चेयरपर्सन- ब्लॉसम कोच्चर ग्रुप ऑफ कंपनीज, ने भोपाल, में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाग लिया। उन्होंने न सिर्फ इन एसेंशियल ऑयल्स के महत्व पर प्रकाश डाला, बल्कि दो नए प्रोफेशनल सलून फेशियल किट्स - पेप्टाइड पोशन और विटा बूस्ट को भी प्रस्तुत किया। डॉ. ब्लॉसम कोच्चर ने कहा कि एसेंशियल ऑयल्स पौधों की आत्मा माने जाते हैं। ये पौधों की पत्तियों, फलों, फूलों और बीजों से प्राप्त अत्यधिक सांद्र अणु होते हैं।

# बिजली नहीं, अब रोशनी से चार्ज होगा फोन और ईवी!

**वैज्ञानिकों ने बनाई क्वांटम बैटरी, पलक झपकते ही होगी सौ फीसदी फुल**

**वॉशिंगटन।** अभी तक क्या आपको भी अपना मोबाइल या इलेक्ट्रिक कार चार्ज करने के लिए घंटों इंतजार करना पड़ता था। तो अब वैज्ञानिकों ने आपके लिए एक ऐसा डिवाइस बना दिया है, जो सुनने में किसी चमत्कार से कम नहीं है। उन्होंने एक ऐसी क्वांटम बैटरी बनाई है, जो सिर्फ रोशनी का इस्तेमाल करके सुपरफास्ट स्पीड से चार्ज हो जाती है। इस रिसर्च को सीएसआईआरओ, आरएमआईटी और मेलबर्न विश्वविद्यालय ने मिलकर किया है। फिलहाल अभी इसका प्रोटोटाइप तैयार हुआ है। यह रिसर्च आने वाले समय में हमारी ऊर्जा की जरूरतों को पूरी तरह से बदल सकता है।

### क्या है क्वांटम बैटरी?

अभी हम जो मोबाइल या लैपटॉप में बैटरी इस्तेमाल करते हैं, उनमें लिथियम-आयन बैटरियां होती हैं। इन्हें चार्ज करने के लिए बिजली की जरूरत होती है और इसमें काफी समय लगता है। लेकिन, क्वांटम बैटरी 'क्वांटम मैकेनिक्स' के सिद्धांतों पर काम करती है। इसकी सबसे बड़ी खूबी यह है कि यह जितनी बड़ी होगी, उतनी ही तेजी से चार्ज होगी। यह हमारे सामान्य भौतिकी के नियमों से बिल्कुल उल्टा है।

### क्या है रोशनी से चार्ज होने का फंडा

इस नई रिसर्च की सबसे बड़ी बात यह है कि यह बैटरी रोशनी के कणों, मतलब फोटॉन्स को सोखकर चार्ज होती है। वैज्ञानिकों ने एक खास तरह के 'क्वांटम कैविटी' का इस्तेमाल किया है, जो रोशनी को कैद कर लेती है और उसे सीधे ऊर्जा में बदल देती है। इसके लिए आपको किसी बिजली के सॉकेट ष या चार्जर की जरूरत नहीं पड़ेगी।

### इससे हमारी जिंदगी पर क्या असर पड़ेगा?

अगर यह टेक्नोलॉजी सफल हो जाती है, तो जहां आज के समय में इलेक्ट्रिक कार को चार्ज करने में घंटों लगते हैं, वहीं क्वांटम बैटरी से यह काम पेट्रोल भरवाने से भी कम समय में हो जाएगा। इससे आपको स्मार्टफोन्स और लैपटॉप की चार्जिंग की झंझट भी खत्म हो जाएंगी। ऑफिस की लाइट या सूरज की रोशनी ही आपके गैजेट्स के लिए काफी होगी। इसके साथ ही सौर ऊर्जा को स्टोर करने का यह अब तक का सबसे क्रांतिकारी तरीका साबित हो सकता है।

## रोचक खबरें

### ये है दुनिया का सबसे तीखा पौधा, जिसके सामने फीकी है सबसे खतरनाक मिर्च

**रबात।** तीखेपन का नाम आते ही सबसे पहले जेहन में लाल मिर्च या हरी मिर्च का ख्याल आता है। दुनिया भर में मिर्च की ऐसी कई प्रजातियां हैं, जिन्हें खाने के नाम से ही लोगों के पसीने छूट जाते हैं। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के मुताबिक पेप्पर एक्स दुनिया की सबसे तीखी मिर्च है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुदरत ने एक ऐसा पौधा भी बनाया है जिसके सामने दुनिया की सबसे धाकड़ मिर्च भी फीकी चाय जैसी लगती है? यह कोई मिर्च नहीं, बल्कि एक कैक्टस जैसा दिखने वाला साधारण सा पौधा है, जिसका तीखापन इतना जानलेवा है कि इसे केमिकल वेपन यानी रासायनिक हथियार की श्रेणी में रखा जा सकता है। ये इतना ज्यादा खतरनाक है कि इंसान की नसों को हमेशा के लिए सुन्न कर सकता है। इस पौधे के भीतर छिपा रेसिनिफेरा टॉक्सिन के कारण इसे चखना तो दूर, छूने मात्र से शरीर पर तेजाब जैसे जख्म बन सकते हैं। इसकी दो बूंद भी जान ले सकती है। मोरक्को के पहाड़ों और नाइजीरिया के कुछ हिस्सों में पाया जाने वाला यह पौधा रेजिन स्पर्ज के नाम से जाना जाता है। इसमें पाया जाने वाला रेसिनिफेरा टॉक्सिन इसे दुनिया का सबसे तीखा और दर्दनाक पौधा बनाता है।

### चीन में चावल की जगह केले से तैयार होता है हड़िया, पीते ही छा जाता है नशा!

**बीजिंग।** आपने चावल की हड़िया, महुआ की दारू या अंगूर की वाइन के बारे में तो सुना ही होगा, लेकिन क्या कभी केले की शराब के बारे में सुना है? चीन में अब यह अनोखी शराब काफी पॉपुलर हो रही है। पके हुए केलों को खास पारंपरिक तरीके से फर्मेंट करके बनाई जाने वाली यह शराब पीते ही नशा छा जाता है और स्वाद भी बेहद स्वादिष्ट बताया जाता है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में लोग केले की शराब बनाते और पीते दिख रहे हैं। केले की शराब बनाने का तरीका काफी हद तक झारखंड की प्रसिद्ध हड़िया से मिलता-जुलता है। हड़िया में चावल को सड़ाकर फर्मेंट किया जाता है, वहीं केले की शराब में पके केलों का इस्तेमाल होता है। पारंपरिक चीनी तरीके में पहले केलों को आग में पकाया जाता है। फिर केलों को छीलकर मैश किया जाता है। इस मैश को पानी में मिलाकर गर्म किया जाता है या फिर नैचुरल यीस्ट की मदद से फर्मेंटेशन प्रोसेस शुरू किया जाता है। कुछ जगहों पर केले के गूदे को स्पाइसेस के साथ मिलाकर पेस्ट बनाया जाता है और फिर फर्मेंटेशन टैंक में रख दिया जाता है। फर्मेंटेशन के दौरान केले का शुगर अल्कोहल में बदल जाता है। पूरा प्रोसेस 7 से 20 दिनों तक चल सकता है, जिसके बाद स्वादिष्ट और थोड़ी मीठी शराब तैयार हो जाती है।

**आर्टेमिस-2 के जांबाजों ने अंतरिक्ष से दिया ये संदेश**

# हमें भूल जाओ, मिशन को याद रखो काम बड़ा होना चाहिए, नाम नहीं

**वॉशिंगटन। आमतौर पर जब कोई इंसान इतिहास रचकर अपने घर लौटता है, तो वह चाहता है कि दुनिया उसे पलकों पर बिठाए। उसका नाम इतिहास की किताबों में दर्ज हो और उसे 'सुपरहीरो' की तरह पूजा जाए। लेकिन, आर्टेमिस-2 मिशन के जरिए चांद की दहलीज तक होकर आए चार जांबाज एस्ट्रोनॉट्स की सोच बिल्कुल अलग है। धरती पर कदम रखने से ठीक पहले रीड वाइसमैन और उनकी टीम ने एक ऐसा बयान दिया है, जिसने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया है। उन्होंने कहा है कि 'हमें और हमारी उपलब्धियों को भूल जाओ!', लेकिन आखिर इन जांबाजों ने ऐसी 'अजीब' बात क्यों कही। क्या यह उनकी सादगी है या इसके पीछे भविष्य का कोई बड़ा विजन।**

### इतिहास बना, लेकिन नजरिया अलग रहा

आर्टेमिस-2 मिशन ने एक बार फिर इंसान को चांद के करीब पहुंचा दिया है। यह सफर सिर्फ टेक्नोलॉजी का नहीं, बल्कि हिम्मत और भरोसे का भी था। इतनी बड़ी उपलब्धि के बाद आमतौर पर लोग अपने नाम और पहचान को लेकर चर्चा में आ जाते हैं, लेकिन यहां कहानी थोड़ी अलग है। इस मिशन के एस्ट्रोनॉट्स ने खुद को चर्चा से दूर रखने की बात कही है।

### हम नहीं, मकसद बड़ा है

मिशन से लौटने के बाद उन्होंने जो बात कही, वही अब सबसे ज्यादा सुर्खियों में है। उनका साफ कहना है कि यह मिशन किसी एक इंसान की उपलब्धि नहीं है। उनके अनुसार, यह हजारों लोगों की मेहनत का नतीजा है। इसमें कई वैज्ञानिक, इंजीनियर, टेक्नीशियन और वे सभी लोग शामिल हैं, जो पर्दे के पीछे काम करते हैं। ऐसे में सिर्फ चार चेहरों को याद रखना सही नहीं होगा।

### रिकॉर्ड नहीं, जिम्मेदारी ज्यादा अहम

इस मिशन ने कई मायनों में नया इतिहास बनाया है। दूरी के मामले में भी यह एक बड़ा कदम था। लेकिन, एस्ट्रोनॉट्स का कहना है कि रिकॉर्ड बनाना ही सब कुछ नहीं होता। असली बात यह है कि इससे आगे का रास्ता तैयार होता है। अब आने वाले मिशनों के लिए जिम्मेदारी और भी बढ़ गई है।

### अंतरिक्ष से धरती को देखने का अनुभव

जब ये एस्ट्रोनॉट्स चांद के पास पहुंचे, तो उन्होंने धरती को एक अलग नजर से देखा। उनके लिए यह पल सिर्फ वैज्ञानिक नहीं, बल्कि बेहद भावुक था। दूर से नीली धरती को देखकर उन्हें एहसास हुआ कि हमारा घर कितना छोटा है। यही अनुभव उन्हें और भी विनम्र बना गया।

### सादगी ने जीता लोगों का दिल

आज के समय में जहां हर उपलब्धि के साथ शोहरत जुड़ जाती है, वहां इन एस्ट्रोनॉट्स की सादगी लोगों को अलग नजर आ रही है। वे खुद को हीरो मानने से इनकार कर रहे हैं। उनका कहना है कि असली हीरो वे लोग हैं, जो पर्दे के पीछे रहकर इस मिशन को सफल बनाते हैं। उनकी यह सोच सिर्फ एक बयान नहीं, बल्कि एक बड़ा संदेश है। नई पीढ़ी के लिए यह सीख है कि काम बड़ा होना चाहिए, नाम नहीं। अगर मकसद सही हो, तो पहचान अपने आप बन जाती है। उनकी यह विनम्रता आने वाले समय में कई लोगों को प्रेरित कर सकती है।

### खतरे के बीच पूरा हुआ सफर

यह सफर जितना रोमांचक था, उतना ही खतरनाक भी था। अंतरिक्ष में जाना और वहां से सुरक्षित लौटना आसान बात नहीं होती है। फिलहाल अभी सभी एस्ट्रोनॉट्स धरती पर वापस आ रहे हैं। अभी भी उनका खतरा टला नहीं है। लेकिन, नासा की तैयारियों और उन्हें अपनी काबिलियत पर पूरा विश्वास है। वापसी के समय स्पेसक्राफ्ट को तेज रफ्तार और भीषण गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में हर सेकंड खतरे से भरा होता है। फिर भी ये एस्ट्रोनॉट्स पूरे आत्मविश्वास के साथ इस मिशन को पूरा करने में लगे हैं।

### भविष्य की तरफ एक बड़ा कदम

आर्टेमिस-2 सिर्फ एक मिशन नहीं, बल्कि आने वाले समय की नींव है। इसके बाद इंसान को फिर से चांद की सतह पर उतारने की तैयारी है। और यही नहीं, आगे चलकर मंगल जैसे बड़े लक्ष्य भी सामने हैं। इस मिशन ने यह साबित कर दिया है कि इंसान अब सिर्फ सपने नहीं देख रहा है, बल्कि उन्हें पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

**मोहब्बत के आगे हाइट क्या चीज है**

# खूबसूरत दुल्हनिया के नन्हे से दूल्हे राजा, समाज की नहीं की परवाह

**अमरावती।** अक्सर कहा जाता है कि प्रेम केवल दिलों का मिलन है, जिसमें रंग, रूप, कद या धन-दौलत का कोई स्थान नहीं होता. इस बात को आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम की एक युवती ने सच कर दिखाया है। राजूपेटा की रहने वाली एक बेहद खूबसूरत युवती ने समाज और परिवार की परवाह किए बिना छोटी हाइट के युवक को अपना जीवनसाथी चुना है। यह शादी अब पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है। यह कहानी राजूपेटा के रहने वाले वेमुला शशि और एक मुस्लिम समुदाय की युवती की है। उनकी मुलाकात स्कूल में हुई थी। 9वीं कक्षा से शुरू हुई यह दोस्ती समय के साथ गहरे प्यार में बदल गई। युवक बौना (कद में छोटा) है, लेकिन युवती के लिए उसकी शारीरिक बनावट कभी बाधा नहीं बनी। उसने युवक के स्वभाव और उनके बीच के अटूट विश्वास को प्राथमिकता दी।

**साहस और संघर्ष की मिसाल**

वेमुला शशि वर्तमान में जिला न्यायालय में अनुबंध (कॉन्ट्रैक्ट) के आधार पर कार्यरत हैं, वहीं युवती एक मेडिकल स्टोर में काम करती है। अपनी आजीविका खुद चलाने वाले इस जोड़े ने जब शादी का फैसला किया, तो उन्हें कड़े विरोध का सामना करना पड़ा।

### पुलिस से सुरक्षा की गुहार

इस प्रेम विवाह में न केवल शारीरिक बनावट का अंतर था, बल्कि धर्म की दीवार भी थी। युवती के माता-पिता और रिश्तेदारों ने इस रिश्ते पर कड़ी आपत्ति जताई।परिवार के दबाव और सामाजिक विरोध के बावजूद, लड़की अपने फैसले पर अडिग रही। उसे न तो युवक के कद से कोई समस्या थी और न ही समाज के तानों से। जब परिजनों का विरोध बढ़ने लगा और उन्हें अपनी सुरक्षा को लेकर खतरा महसूस हुआ। तो इस नवविवाहित जोड़े ने इनुकुदुरुपेटा पुलिस स्टेशन में शरण ली। उन्होंने पुलिस से सुरक्षा की मांग की है और स्पष्ट कर दिया है कि वे किसी भी कीमत पर एक-दूसरे का साथ नहीं छोड़ेंगे। दुल्हन बोली- 9वीं क्लास में ही मैं इन्हें अपना दिल दे बैठी थी। यह अनोखी शादी उन लोगों के लिए एक मिसाल है जो प्रेम को केवल बाहरी सुंदरता के तराजू में तौलते हैं।

## बैंक एवं वित्तीय संस्थानों में आंबेडकर जयंती पर छुट्टी घोषित करने की मांग

**भोपाल।** भारत सरकार द्वारा डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती (14 अप्रैल) के अवसर पर केंद्रीय सरकारी कार्यालयों में अवकाश घोषित किया गया है। यह निर्णय बाबा साहेब के प्रति सम्मान एवं उनके अमूल्य योगदान को स्मरण करने की दिशा में स्वागत योग्य कदम है। किंतु उक्त आदेश में बैंक एवं वित्तीय संस्थानों के संबंध में कोई स्पष्ट निर्देश नहीं दिए गए हैं, जिससे बैंक कर्मचारियों एवं अधिकारियों के बीच असमंजस की स्थिति बनी हुई है।यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस, मध्य प्रदेश के कोऑर्डिनेटर वीके शर्मा ने इस संबंध में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से आग्रह किया है कि डॉ. आंबेडकर जयंती के पावन अवसर पर राज्य के सभी बैंक एवं वित्तीय संस्थानों में भी अवकाश घोषित किया जाए। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर न केवल भारतीय संविधान के निर्माता थे, बल्कि सामाजिक न्याय एवं समानता के प्रतीक हैं। उनके सम्मान में बैंकिंग क्षेत्र के कर्मचारियों को भी अवकाश मिलना चाहिए, ताकि वे इस महत्वपूर्ण दिवस को श्रद्धापूर्वक मना सकें। शर्मा ने यह भी कहा कि राज्य सरकार द्वारा शीघ्र सकारात्मक निर्णय लिए जाने से बैंक कर्मचारियों में हर्ष एवं संतोष का वातावरण बनेगा।

### विक्रेताओं को 1 हजार रु.से कम वाले उत्पादों पर अमेजन की शून्य रेफरल फीस

**भोपाल।** अमेजन.इन पर मध्य प्रदेश से 70,000 से अधिक सैलर्स रजिस्टर्ड हैं, जहां नए सैलर के रजिस्ट्रेशन में 56 प्रतिशत की साल-दर-साल वृद्धि के साथ जबरदस्त तेजी देखने को मिल रही है। इस तेजी के साथ ही अमेजन ने अपने जीरो रेफरल फीस का कवरेज 10 गुना से अधिक बढ़ा दिया है। साल 2025 में जहां 1.2 करोड़ प्रोडक्ट्स पर जीरो रेफरल फीस ली जाती थी, वहीं इस साल इसे बढ़ाकर 12.5 करोड़ से अधिक प्रोडक्ट्स तक कर दिया गया है। जीरो रेफरल फीस का लाभ फैशन, होम, किचन और इलेक्ट्रॉनिक्स एक्सेसरीज जैसी रोजमर्रा की श्रेणियों को मिलता है। 1,000 रुपए से कम मूल्य के प्रोडक्ट्स पर जीरो रेफरल फीस के साथ 300 रुपए से कम मूल्य के प्रोडक्ट्स पर इंजी शिप फीस में 20 प्रतिशत की कमी के नतीजे मिलने लगे हैं और सैलर्स को कुल फीस में 70 प्रतिशत तक की बचत होने लगी है।

## प्रदेश की मंडियों में समर्थन मूल्य से 300 से 400 रु. नीचे बिक रहा गेहूं

▶▶ भोपाल

वर्ष 2026 में रबी विपणन सीजन के दौरान राजधानी भोपाल सहित प्रदेश की कृषि उपज मंडियों में गेहूं की नई फसल का भाव, घोषित समर्थन मूल्य से काफी नीचे चल रहा है। केंद्र सरकार ने रबी विपणन वर्ष 2026-27 के लिए गेहूं का एमएसपी 2,585 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया है।

मध्य प्रदेश सरकार ने बोनस के साथ इसे 2625 से 2735 प्रति क्विंटल तक करने की घोषणा की, लेकिन भोपाल सहित प्रदेशभर की अनाज मंडियों में गेहूं समर्थन मूल्य से 300 से 400 रुपए प्रति क्विंटल नीचे बिक रहा है। अनाज व्यापारी सामान्य गेहूं 2200 से 2400 रुपए प्रति क्विंटल के भाव गेहूं खरीदी रहे हैं। गौरतलब है कि मंडियों में गेहूं समर्थन मूल्य से काफी नीचे बिकने से किसानों 300-400 रुपए का घाटा हो रहा है। बताया जा रहा है कि सरकारी खरीदी में देरी की बतौलत किसानों को अपना गेहूं समर्थन मूल्य से कम भाव पर बेचने को मजबूर होना पड़ रहा है। भोपाल ग्रेन मर्चेंट एंड ऑयल सीड्स एसोसिएशन के प्रवक्ता संजीव जैन ने कहाकि सरकारी खरीदी केंद्र (उपार्जन केंद्र) समय पर चालू न होने और तुलाई लेट होने के कारण किसान मजबूरी में निजी व्यापारियों को कम दामों पर गेहूं बेच रहे हैं। तो वहीं कुछ मामलों में गेहूं में अधिक नमी या कमजोर दाने की गुणवत्ता के कारण भी कम दाम मिल रहे हैं। उनके अनुसार शादियों का सीजन या मजदूरों के भुगतान जैसे खर्चों के लिए किसान जल्दीबाजी में कम दाम पर भी फसल बेच रहे हैं।

# दुनिया को महाप्रलय से बचाने वाला गुमनाम हीरो की अनसुनी कहानी

**वॉशिंगटन।** जब भी हम किसी अंतरिक्ष मिशन की सफलता देखते हैं, तो हमारी नजर रॉकेट या अंतरिक्ष यात्रियों पर होती है। लेकिन, पर्दे के पीछे कुछ ऐसे लोग होते हैं, जो हर पल इस बात पर नजर रखते हैं कि कहीं अंतरिक्ष से कोई बड़ी आफत (एस्टेरॉयड) हमारी धरती की तरफ तो नहीं आ रही। नासा के माइकल डेविड हिक्स ऐसे ही एक जांबाज वैज्ञानिक थे। हाल ही में उनके निधन की खबर आई, जिसने एस्ट्रोनॉमी की दुनिया में एक बड़ा शोक पैदा कर दिया है।

**उनका सबसे बड़ा काम :** माइकल का मुख्य काम एस्टेरॉयड की 'फिजिकल कैरेक्टराइजेशन' करना था। वह यह पता लगाते थे कि आसमान में तैर रहा कोई पत्थर किस चीज से बना है? इसके साथ ही वह कितनी तेजी से अपनी धुरी पर घूम रहा है? और उसका रंग और उसकी चमक कैसी है? ये जानकारियां इसलिए जरूरी हैं, क्योंकि अगर कभी किसी एस्टेरॉयड को रास्ते से भटकाने की जरूरत पड़ी, तो वैज्ञानिक यह पहले से जानते होंगे कि वह पत्थर कितना मजबूत है। माइकल ने हजारों एस्टेरॉयड का डेटा तैयार किया था, जो आज नासा के रक्षा तंत्र का हिस्सा है।

### खामोशी से क्यों चले गए माइकल?

हैरानी की बात यह है कि माइकल हिक्स का निधन पिछले दिनों हुआ, लेकिन इसकी खबर बहुत देर से और बहुत सीमित दायरे में बाहर आई। वैज्ञानिकों ने बताया कि उन्हें एक लो-प्रोफाइल रहने वाले व्यक्ति के रूप में जाना जाता था। वह प्रचार से दूर रहकर सिर्फ अपने काम और डेटा से मतलब रखते थे। उनके सहकर्मियों का कहना है कि माइकल के जाने से नासा ने अपना एक सच्चा वैज्ञानिक खो दिया है। उन्होंने कई अहम प्रोजेक्ट्स में योगदान दिया और दर्जनों रिसर्च किए, लेकिन वे कभी सुर्खियों में नहीं आए। वे अपनी दुनिया में शांत रहकर काम करने वाले इंसान थे, जिन्हें नाम या शोहरत से ज्यादा अपने काम की चिंता रहती थी।

### क्यों याद रखी जाएगी उनकी कहानी

माइकल हिक्स की कहानी हमें यह सिखाती है कि हर बड़ा काम करने वाला इंसान हमेशा चर्चा में नहीं होता। कई बार असली हीरो वही होते हैं, जिनका नाम हम जानते भी नहीं। उन्होंने जिस काम में अपनी जिंदगी लगा दी, वह सीधे तौर पर इंसानियत की सुरक्षा से जुड़ा है। अगर भविष्य में कभी कोई बड़ा अंतरिक्ष खतरा टलता है, तो उसमें हिक्स जैसे वैज्ञानिकों की मेहनत भी शामिल होगी। माइकल हिक्स एक ऐसे इंसान थे, जिन्होंने अपनी पूरी जिंदगी अंतरिक्ष के खतरों को समझने में लगा दी। उनकी कहानी अगर चुपचाप दब जाए, तो यह कहीं न कहीं हमें सोचने पर मजबूर करती है। माइकल डेविड हिक्स अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनका काम और उनकी सोच आने वाले समय में भी जिंदा रहेगी। शायद यही किसी भी वैज्ञानिक की सबसे बड़ी पहचान होती है।

### कौन थे माइकल डेविड हिक्स?

माइकल डेविड हिक्स नासा की मशहूर जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी में एक वरिष्ठ एस्ट्रोनॉमर थे। उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी नियर-अर्थ ऑब्जेक्ट्स , यानी उन एस्टेरॉयड और धूमकेतुओं के अध्ययन में बिता दी, जो पृथ्वी के काफी करीब से गुजरते हैं। अगर आज हमें यह पता चल पाता है कि कोई एस्टेरॉयड धरती के कितने पास से गुजरेगा या उसका आकार क्या है, तो उसमें माइकल जैसे वैज्ञानिकों की सालों की मेहनत छिपी होती है।